दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

सिद्धार्थनगर
मंगलवार ,21 अप्रैल 2026
वर्ष: 13 अंक : 123 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

भीषण गर्मी का कहर : कई राज्यों में हीटवेव अलर्ट, प्रयागराज–वाराणसी में पारा 44 डिग्री पार

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और झारखंड समेत कई राज्यों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस, वाराणसी में 44.2 डिग्री और बांदा में 43.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं मध्य प्रदेश के नौगांव में पारा 44.3 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि रतलाम, खजुराहो और दतिया में भी तापमान 43 डिग्री से ऊपर रहा। मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश में 23 अप्रैल तक लू चलने की संभावना है, जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 22 अप्रैल तक और पश्चिमी राजस्थान में 23 अप्रैल तक हीटवेव का असर रहेगा। झारखंड में 20 और 21 अप्रैल को तथा पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और ओडिशा में 21 से 23 अप्रैल के बीच लू चलने के आसार हैं। दूसरी ओर, पूर्वोत्तर राज्यों

में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं दक्षिण भारत के कई राज्यों में भी गरज–चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। डॉक्टरों ने लोगों को सलाह दी है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच घर से बाहर निकलने से बचें। बाहर निकलते समय हल्के और सूती कपड़े पहनें, सिर को ढककर रखें और शरीर में पानी की कमी न होने दें। तेज गर्मी और लू को देखते हुए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने सतर्क रहने और जरूरी सावधानियां बरतने की अपील की है।

सिद्धार्थनगर में बड़ा हादसा, बूढ़ी राप्ती नदी में डूबने से मेडिकल छात्र और जूनियर डॉक्टर की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले के जोगिया थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। बूढ़ी राप्ती नदी में नहाने गए माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के एक जूनियर डॉक्टर और एक छात्र की गहरे पानी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद मेडिकल कॉलेज परिसर और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, माधव प्रसाद मेडिकल कॉलेज के तीन छात्र और एक जूनियर डॉक्टर आज नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान वे गहरे पानी की चपेट में आ गए। घ्मृतकों की पहचान– घ्सत्यम नायक (जेआर) – निवासी बस्ती शहर, जिला बस्ती। सचिन महावर (22 वर्ष) – मेडिकल कॉलेज के सेकंड ईयर का छात्र, निवासी सवाई माधोपुर, राजस्थान। घ्स्थानीय लोगों और पुलिस की मशक्कत विफल नदी में दोनों को डूबता देख साथ गए अन्य छात्रों ने शोर मचाकर मदद की गुहार लगाई। शोर सुनकर आसपास के स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद दोनों को पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।घ घटना की सूचना मिलते ही जोगिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस दुखद घटना से मेडिकल कॉलेज के छात्र–छात्राओं और परिजनों में मातम का माहौल है।

पीएम मोदी का देसी अंदाज, झालमुड़ी खाते हुए दुकानदार से मजेदार बातचीत, हंसी से गूंजा माहौल

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम में चुनावी सभा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अलग ही देसी अंदाज देखने को मिला। उन्होंने एक स्थानीय दुकान पर रुककर झालमुड़ी

का स्वाद लिया और दुकानदार से हल्की–फुल्की बातचीत की, जिसने वहां मौजूद लोगों को हंसा दिया। झालमुड़ी बनाते समय जब दुकानदार ने पीएम से पूछा कि प्याज डालूं या नहीं, तो मोदी ने मुस्कुराते हुए जवाब दियाकृ"मैं प्याज खाता हूं, दिमाग नहीं।" यह सुनते ही वहां मौजूद लोग खिलखिला उठे। पीएम ने इस मुलाकात का करीब 40 सेकेंड का वीडियो और तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी साझा की हैं, जो तेजी से वायरल हो रही हैं। जानकारी के अनुसार, पीएम जिस दुकान पर पहुंचे, वह बिक्रम साव की है, जो मूल रूप से बिहार का रहने वाला है और अपने परिवार के साथ बंगाल में रहता है। बिक्रम ने बताया कि उसने कभी सोचा भी नहीं था कि प्रधानमंत्री उसकी दुकान पर आएंगे। उन्होंने बताया कि पीएम ने झालमुड़ी खाने के बाद उसकी तारीफ की और पैसे देने पर जोर दिया। हालांकि दुकानदार ने पैसे लेने से मना किया, लेकिन पीएम ने 10 रुपये जबरदस्ती दे दिए। करीब 10 मिनट तक दुकान पर रुके पीएम मोदी ने दुकानदार से उसकी पढ़ाई और कमाई के बारे में भी पूछा। दुकानदार ने बताया कि वह रोजाना 1000 से 1200 रुपये तक कमा लेता है। इस दौरान पीएम ने अपने दोने से आसपास मौजूद लोगों को भी झालमुड़ी खिलाई। सोशल मीडिया पर यह वीडियो "मुड़ी पे चर्चा" के नाम से तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों को खूब पसंद आ रहा है।

बस सड़क से फिसली, 19 लोगों की मौत, कई घायल; मृतकों के परिजनों को 2 लाख की मदद

उधमपुर/जम्मू–कश्मीर। जम्मू–कश्मीर के उधमपुर जिले में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। रामनगर कस्बे के कागोर्ट गांव में एक पैसेंजर बस सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई, जिससे कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक हादसे के तुरंत बाद पुलिस, रेस्क्यू टीम और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। उधमपुर–रियासी रेंज के डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने बताया कि घटनास्थल पर तीखा मोड़ होने के कारण ड्राइवर का नियंत्रण खो सकता है। बस पैरापेट से टकराकर खाई में जा गिरी। बस ओवरलोड थी या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50 हजार रुपये की सहायता राशि देने का ऐलान किया है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। वहीं, जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है। प्रशासन ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं।

बढ़ते सड़क हादसों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, एक्सप्रेसवे को 'खतरे का गलियारा' बनने से रोकने के निर्देश

नई दिल्ली। देश में बढ़ते सड़क हादसों पर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है और सड़क सुरक्षा को लेकर कई अहम निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने स्पष्ट कहा कि प्रशासनिक लापरवाही या कमजोर इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण एक्सप्रेसवे को हादसों का केंद्र नहीं बनने दिया जाएगा। न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ए. एस. चंदुरकर की पीठ ने आदेश दिया है कि कोई भी भारी या व्यावसायिक वाहन

राष्ट्रीय राजमार्ग के कैरिजवे या पक्के शोल्डर पर निर्धारित पार्किंग स्थल के अलावा कहीं भी खड़ा नहीं किया जाएगा। अदालत ने राष्ट्रीय राजमार्गों के राइट ऑफ वे के भीतर नए ढाबों, भोजनालयों या किसी भी व्यावसायिक निर्माण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। साथ ही, पहले से मौजूद लाइसेंसों की 30 दिनों में समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को 45 दिनों के भीतर दुर्घटना संभावित ब्लैकस्पॉट की सूची जारी करने के आदेश दिए गए हैं। सभी जिलों में, जहां से राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते हैं, 15 दिनों के भीतर सड़क सुरक्षा टास्क फोर्स का गठन करना होगा। इस टास्क फोर्स में प्रशासन, पुलिस, छभ्।प् और च्ॅक् के अधिकारी शामिल होंगे। अदालत ने जिला मजिस्ट्रेटों को 60 दिनों के भीतर राजमार्गों के किनारे बने अवैध निर्माण हटाने का निर्देश दिया है। साथ ही भविष्य में बिना अनुमति कोई भी लाइसेंस या एनओसी जारी नहीं की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश की कुल सड़कों का केवल 2: हिस्सा राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, लेकिन सड़क हादसों में होने वाली करीब 30: मौतें यहीं होती हैं। विश्व स्तर पर भी स्थिति चिंताजनक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में सड़क हादसों से होने वाली कुल मौतों में 11: भारत में होती हैं। वर्ष 2024 में भारत में करीब 1.8 लाख लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में जान गई, जो पिछले साल से अधिक है। अदालत ने यह भी कहा कि सड़क सुरक्षा नागरिकों के जीवन के अधिकार से जुड़ा मुद्दा है और इसे गंभीरता से लागू करना सभी एजेंसियों की जिम्मेदारी है।

विपक्ष का आचरण द्रौपदी चीरहरण जैसा : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक संसद में पारित न होने देने पर विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन का यह कृत्य न केवल नारी सम्मान के खिलाफ है, बल्कि "अक्षम्य पाप" है, जिसके लिए देश की नारी शक्ति उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने विपक्ष के व्यवहार की तुलना द्रौपदी चीरहरण से करते हुए कहा कि जिस प्रकार भरी सभा में द्रौपदी का अपमान हुआ था, उसी प्रकार का दृश्य संसद में देखने को मिला। उन्होंने इसे लोकतंत्र और महिला गरिमा, दोनों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने और उन्हें राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन लाकर इसे 2034 के बजाय 2029 से लागू करने का प्रयास किया गया, लेकिन विपक्ष ने इसमें बाधा डाल दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य किसी भी राज्य या वर्ग के अधिकारों में कटौती करना नहीं है, बल्कि लोकसभा और विधानसभाओं में सीटें बढ़ाकर महिलाओं को उनका अधिकार देना है। दक्षिण भारत के राज्यों द्वारा उठाई गई आशंकाओं पर भी प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने भरोसा दिलाया है कि किसी का हक कम नहीं होगा। सीएम योगी ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आरजेडी, टीएमसी और डीएमके जैसे दलों पर आरोप लगाया कि वे हमेशा प्रगतिशील और जनहित के कदमों का विरोध करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि संसद में विपक्ष के नारी–विरोधी आचरण से देश की आधी आबादी में भारी आक्रोश है और महिलाएं इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब–जब महिलाओं के अधिकारों की बात आई, विपक्ष का दोहरा चरित्र सामने आया। उन्होंने शाहबानो

प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय कांग्रेस सरकार ने मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों से समझौता किया था, जबकि बाद में केंद्र सरकार ने ट्रिपल तलाक पर रोक लगाकर महिलाओं को न्याय दिलाया। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान निर्माण के समय डॉ. भीमराव अंबेडकर और सरदार वल्लभभाई पटेल ने धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध किया था, लेकिन आज वही मुद्दा उठाकर विपक्ष भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है। मुख्यमंत्री ने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना और मातृ वंदना योजना जैसी पहलों से महिलाओं के जीवन में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में लागू योजनाओंकृ मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, सामूहिक विवाह योजना और स्वयं सहायता समूहोंकृका जिक्र करते हुए बताया कि लाखों महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं। राज्य में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है और विभिन्न क्षेत्रों में उनका नेतृत्व मजबूत हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि पिछले वर्षों में प्रदेश में लाखों सरकारी नौकरियां दी गई हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाओं को अवसर मिला है। यूपी पुलिस में महिलाओं की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण का प्रमाण है। अंत में मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों से अपने "नारी–विरोधी आचरण" के लिए माफी मांगने की मांग करते हुए कहा कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रदेश और देश की महिलाओं से अपील की कि वे ऐसे आचरण को कभी स्वीकार न करें और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें।

गन्ना समितियों में महिलाओं को नि:शुल्क स्थान देगी योगी सरकार

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। अब गन्ना समितियों में व्यवसाय शुरू करने के लिए स्वयं सहायता समूह (ैभ्ळ) से जुड़ी महिलाओं को निरूशुल्क स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। यहां महिलाएं 'प्रेरणा कैंटीन' संचालित करने के साथ–साथ अपने उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री भी कर सकेंगी। इस योजना के लिए चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग और उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (न्च्ैत्स्ड) के बीच समझौता (एमओयू) किया गया है। इसके तहत प्रदेश की गन्ना सहकारी समितियां अपने परिसरों में उपलब्ध खाली या अतिरिक्त स्थान महिलाओं को देंगी। खास बात यह है कि शुरुआती दो वर्षों तक इन स्थानों के उपयोग के लिए कोई किराया नहीं लिया जाएगा, जबकि इसके बाद भी केवल 50 प्रतिशत किराया देना होगा। योजना के जरिए महिलाएं खाद्य पदार्थ, हस्तशिल्प, कृषि उत्पाद, सोलर लैंप समेत अन्य स्थानीय वस्तुओं की बिक्री कर सकेंगी। साथ ही सरकार की ओर से उन्हें प्रशिक्षण, विपणन और प्रचार–प्रसार में भी सहयोग दिया जाएगा, ताकि उनके उत्पादों को बेहतर बाजार मिल सके। योजना में महिलाओं को स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण से संबंधित प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिससे वे बेहतर सेवाएं दे सकें। इसके लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। यह पहल न केवल महिलाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर उत्पादन और खपत को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाएगी। साथ ही गन्ना समितियों की गतिविधियों में विविधता आएगी और ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे उद्यमों को भी बढ़ावा मिलेगा।

कठेला ग्रांट विद्यालय में मिशन शक्ति अभियान के तहत बालिकाओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) एवं 'नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जागरूकता अभियान 2.0' के तहत थाना कठेला समय माता की मिशन शक्ति टीम ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय कठेला ग्रांट में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव और विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के निर्देशन तथा प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में करीब 50 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में बालिकाओं को महिला अपराध से बचाव, एंटी रोमियो अभियान, साइबर सुरक्षा, शून्य एफआईआर, ई–एफआईआर, समयबद्ध न्याय, महिला एवं बाल संरक्षण संबंधी नए प्रावधानों तथा फोरेंसिक विज्ञान के उपयोग से जुड़े कानूनों की जानकारी दी गई। साथ ही 1090, 112, 1076, 1098, 108, 102, 101, 1930 और 14567 समेत विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की उपयोगिता बताई गई। मिशन शक्ति टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा और सरकारी योजनाओं से संबंधित पंपलेट भी वितरित किए। छात्र–छात्राओं ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आत्मविश्वास बढ़ाने और निडर होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इस दौरान उ0नि0 शिवशंकर शर्मा, कांस्टेबल संजीत पांडेय, महिला कांस्टेबल करिश्मा सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

भारत–नेपाल सीमा पर पुलिस व एसएसबी टीम ने संयुक्त रूप ने किया पैदल गश्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से थाना लोटन पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने भारत–नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर पैदल गश्त एवं सघन चेकिंग अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष दिनेश सरोज के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। संयुक्त टीम ने ठोठरी बाजार के पास अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। इस दौरान आने–जाने वाले लोगों की जांच–पड़ताल की गई तथा सीमा क्षेत्र में सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार निगरानी रखी जा रही है और पुलिस व एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।अभियान में चौकी इंचार्ज हरिवंशपुर उ0नि0 राहुल गुप्ता मय पुलिस बल एवं एसएसबी के जवान मौजूद रहे।

पुलिस का सघन चेकिंग अभियान, हॉटस्पॉट क्षेत्रों पर रही विशेष नजर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। आगामी त्योहारों को लेकर जनपद में कानून–व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने सोमवार को व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में सभी थाना क्षेत्रों में यह अभियान संचालित किया गया। इस दौरान जनपद के सभी प्रभारी निरीक्षक और थानाध्यक्ष अपने–अपने सर्किल क्षेत्रों में सक्रिय रहे। चिन्हित हॉटस्पॉट और भीड़–भाड़ वाले स्थानों के आसपास पुलिस ने विशेष सतर्कता बरती। संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों और वस्तुओं की गहन जांच की गई, जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, त्योहारों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। जनपद में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे।

चिल्हिया पुलिस ने महिलाओं को दी साइबर सुरक्षा व नए कानूनों दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। में चौपाल लगाकर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, नए कानून और एंटी रोमियो अभियान के प्रति जागरूक किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी तथा प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, निराश्रित महिला पेंशन योजना और मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को साइबर अपराध से बचाव के उपाय बताते हुए 1090, 181, 112, 1098, 108, 101, 14567 और 1930 समेत विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी। साथ ही नए कानूनों एवं महिला सुरक्षा से जुड़े अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उ0नि0 लालचंद यादव एवं म0का0 सीमा यादव मौजूद रहीं। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं से सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने की अपील की।

शोहरतगढ़ कस्बे में सीओ ने किया पैदल गश्त, सुरक्षा व्यवस्था परखी

दैनिक बुद्ध का संदेश

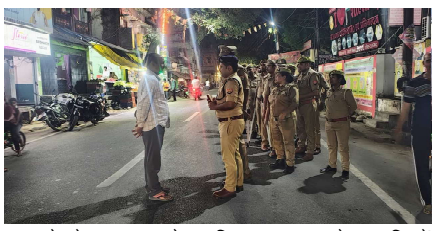

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी ने सोमवार को प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह व पुलिस बल के साथ कस्बे में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान खुनुवा बाईपास रोड, मुख्य बाजार, भीड़भाड़ वाले स्थानों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में निरीक्षण कर कानून–व्यवस्था की स्थिति परखीं। गश्त के दौरान सीओ ने आमजन से संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने प्रभारी निरीक्षक को आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए क्षेत्र में शांति, सौहार्द एवं कानून–व्यवस्था को हर हाल में मजबूत बनाए रखने को कहा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। साथ ही सोशल मीडिया की भी विशेष निगरानी की जा रही है, ताकि अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं को समय रहते रोका जा सके। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखने में आमजन की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। पैदल गश्त के दौरान प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह, क्राइम इंस्पेक्टर सुभाष यादव, कांस्टेबल दिनेश यादव, प्रभाकर यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य व क्रिकेट क्लब अध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

अज्ञात कारणों से घर में लगी आग, गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख

दैनिक बुद्ध का संदेश

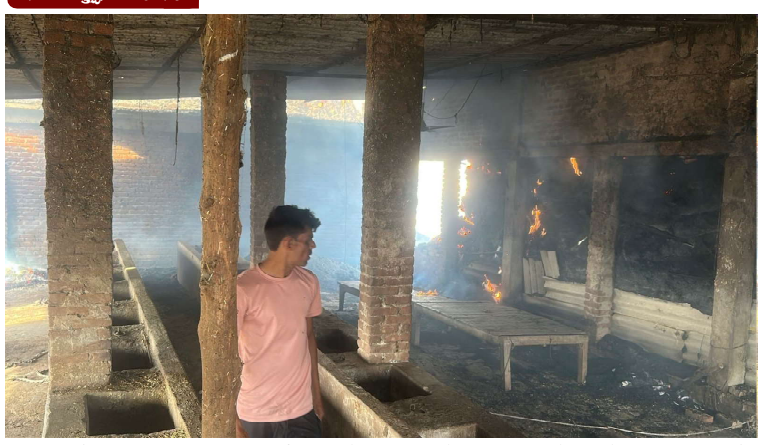

उतरौला/बलरामपुर। तहसील क्षेत्र के ग्राम चिचूडी सहनिया के मजरा लालूडीह में सोमवार दोपहर अज्ञात कारणों से लगी आग ने भारी तबाही मचा दी। गांव निवासी चौधरी ताज़ाम्मुल हुसैन के घर लगी आग तेज गर्म हवाओं के चलते विकराल हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोपहर करीब 2 बजे अचानक आग भड़क उठी। कुछ ही देर में घर के पास रखा लगभग 250 ट्रॉली भूसा जलकर राख हो गया। इस अग्निकांड में करीब 40 बकरियां जिंदा जल गईं, जिससे परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। ग्रामीणों की तत्परता से गाय–भैंसों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया, वरना नुकसान और बढ़ सकता था। सूचना पर ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। बाद में दमकल टीम भी पहुंची और घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना के बाद गांव में शोक और दहशत का माहौल है। हल्का लेखपाल फखरूल हसन ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन शुरू किया। शुरुआती अनुमान में लाखों रुपये की संपत्ति और पशुधन का नुकसान बताया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने की मांग की है। विशेषज्ञों के अनुसार भीषण गर्मी, सूखी हवाएं और भूसा–फूस के ढेर आग की घटनाओं को बढ़ा रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खुले में आग न जलाएं, बिजली उपकरणों की जांच कराएं और ज्वलनशील सामान सुरक्षित रखें। आग लगने पर तुरंत दमकल को सूचना दें।

कार्यालय : ग्राम पंचायत- अम्बरनगर, वि.ख.- हरैया सतघरवा, जनपद- बलरामपुर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **अम्बरनगर** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्योष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, जेसीबी, ट्रैक्टर टॉली किराये पर, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाड़ू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 24/04/2026 को 10 बजे तक आपूर्ति हेतु निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **अम्बरनगर** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 24/04/2026 को अपराहन 12 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ष्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **अम्बरनगर** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **अम्बरनगर** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

छोटकऊ प्रसाद
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत-अम्बरनगर
वि.ख. - हरैया सतघरवा

शिवप्रकाश मिश्रा
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत-अम्बरनगर
वि.ख. - हरैया सतघरवा

कार्यालय : ग्राम पंचायत- परसिया प्रथम, वि.ख.- मिठवल, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **परसिया प्रथम** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्योष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाड़ू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 20/04/2026 को 12 बजे तक आपूर्ति हेतु निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **परसिया प्रथम** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 20/04/2026 को अपराहन 02 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ष्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **परसिया प्रथम** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **परसिया प्रथम** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

शिव सहाय चौरसिया
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत-परसिया प्रथम
वि.ख. - मिठवल

रजनीश
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत-परसिया प्रथम
वि.ख. - मिठवल

स्कॉलर्स हाईस्कूल की बालिकाओं को मिशन शक्तिके तहत किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के तहत थाना शोहरतगढ़ की मिशन शक्ति टीम ने स्कॉलर्स हाईस्कूल की बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, एंटी रोमियो अभियान तथा नए कानूनों के प्रति जागरूक किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी एवं प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को महिला सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, निराश्रित महिला पेंशन योजना एवं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना समेत कई योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। मिशन शक्ति टीम ने छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव के उपाय, एंटी रोमियो अभियान की जानकारी तथा आपात स्थिति में उपयोगी हेल्पलाइन नंबरों 112, 1090, 1930, 1098, 181, 108 और 101 के बारे में भी जागरूक किया। कार्यक्रम में उ0नि0 राजकुमार यादव, हे0का0 अविनाश सिंह, म0का0 शोभा भारती, म0का0 उर्मिला एवं म0का0 सीमा यादव मौजूद रहीं। पुलिस अधिकारियों ने बालिकाओं को जागरूक रहकर अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

जीआरपी चौकी सिद्धार्थनगर ने चौंकिंग अभियान चलाकर खोया वैग वापस दिलाने पर जीआरपी चौकी की हो रही प्रशंसा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थ नगर जीआरपी रेलवे चौकी के द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें गोरखपुर के पुलिस अधीक्षक लक्ष्मी निवास मिश्रा और उपाध्यक्ष विनोद कुमार के दिशा निर्देशन में जांच अभियान चलाकर संदिग्ध व्यक्ति को पूछताछ कर जांच अभियान चलाया गया जिसमें आवेदक वजहुल द्वारा सूचना दी गई कि मेरी बहन हीना और पत्नी अजीम अली बलरामपुर थाना जनपद बलराम पुर नाम व पता काल्पनिक ट्रेन नंबर 05132 बहराइच स्पेशल गोरखपुर के लिए यात्रा कर रही थी जिसमें बलराम पुर से उतरते समय अपने बैंग में एक अदद जोड़ी पायल, एक अदद मंगल सूत्र, एक अदद जोड़ी झुमका, एक अदद जोड़ी नाक की नाथिया, एक अदद जोड़ी अगूंठी, तीन अदद जोड़ी पैर की बिछिया, एक अदद जोड़ी पालंजर दो अदद जोड़ी नाक की कील , नगद व कीमती सामान, लगभग कुल अनुमानित लागत तीन लाख पचास हजार रूपए आकी जा रही है जो ट्रेन में भूल गई थी उक्त सूचना पर रेलवे चौकी सिद्धार्थ नगर को सूचना मिलते ही उक्त ट्रेन की जघन जांच पड़ताल में लग गई जांच के दौरान उक्त बैग हाथ में लग गई और और वह बैग को बरामद किया गया जिसमें आवेदक या यात्री को सूचित कर दिया गया जिसमें सूचना के उपरांत यात्रा को चौकी हाजा पर उपस्थिति दर्ज कराई गई नियमानुसार महिला यात्री को हिना को उपरोक्त को सुपुर्द कराया गया जिसमें महिला यात्री और उनके शुभ चिंतको और सहयोगियों ने जीआरपी चौकी सिद्धार्थ नगर के प्रभारी की भुरी भुरी प्रशंसा करते हुए नजर आए लोग और कुछ लोगों ने जीआरपी चौकी सिद्धार्थ नगर के पुलिस बल को काफी सराहना किया जा रहा है इस बात की जानकारी जीआर पी चौकी प्रभारी सुग्रीव कुमार यादव द्वारा दी गई।

आदर्श लघु माध्यमिक विद्यालय में आयोजित हुआ प्रवेश उत्सव, नवागत छात्रों का तिलक लगाकर किया गया स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत कपिलवस्तु क्षेत्र अंतर्गत बर्डपुर नगर में स्थित आदर्श लघु माध्यमिक विद्यालय बर्डपुर में नए शिक्षा सत्र का शुभारंभ और नव प्रवेशी विद्यार्थियों का प्रवेश उत्सव कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। विद्यालय में शुरू हुए नए शैक्षिक सत्र के शुभारंभ के अवसर पर विद्यालय की प्रबंधक राजकुमारी पाण्डेय की गरिमामयी उपस्थिति में शिक्षकों सहित स्कूल पहुंचे बच्चों का तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा कर एवं आरती उतारकर तथा उन्हें गुलाब का पुष्प भेंट कर स्वागत किया।विद्यालय की प्रबंधक राजकुमारी पाण्डेय ने बताया कि प्रवेश उत्सव का उद्देश्य छात्रों में विद्यालय के प्रति अपनापन, अनुशासन एवं पढ़ाई

के प्रति सकारात्मक माहौल बनाना है।वही बच्चों ने फीता काटकर विद्यालय में प्रवेश किया । तो वहीं माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए माँ सरस्वती से बल,बुद्धि, विद्या प्रदान करने की प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में नव प्रवेशी नन्हे मुँन्हे बच्चे आकर्षण का केन्द्र रहे। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में रंग बिरंगे गुब्बारों और फूलों से सजाया गया था। बच्चे सज–धज कर पूर्ण गणवेश में सुबह हंसते–खिलखिलाते स्कूल पहुंचे। प्रार्थना के बाद सभी बच्चों के माथे पर तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य, शिक्षकों और बच्चों ने एक–दूसरे का परिचय प्राप्त किया । नए शैक्षिक सत्र के दौरान प्रधानाचार्य और बच्चे काफी उत्साहित और प्रसन्न दिखाई दिए। इसे प्रवेश उत्सव के रूप में मनाया गया। वहीं इस दौरान विद्यालय के संचालक नितेश पाण्डेय ने सत्र प्रारम्भ की विशेष प्रार्थना सभा में संचालक कौशल, संस्कार, संकल्प थीम के साथ नए सत्र की कार्ययोजना प्रस्तुत की। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक शोभनाथ यादव ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्रों को संबोधित करते हुए नियमित अध्ययन व लक्ष्य निर्धारण पर बल दिया। सभी छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों को विद्यालय के बारे में बताते हुए कहा कि यह विद्यालय पिछले 41 वर्षों से क्षेत्र में बेहतर एवं गुवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हुए अपने 42 वें सत्र में प्रवेश कर रहा है । क्षेत्र के अभिभावकों के सहयोग से विद्यालय एवं उसमें अध्ययनरत छात्र छात्राएं अपने कठोर परिश्रम के फलस्वरूप निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। वहीं इस दौरान विद्यालय के संचालक नितेश पाण्डेय, शोभनाथ यादव उमेश यादव संतोष यादव संदीप राव रुचि उपाध्याय श्वेता पटवा रीता जायसवाल पवन पाठक सरिता जायसवाल अन्नू जायसवाल प्रेमलता पासवान संगीता मौर्य शशि जायसवाल विनय कुमार वर्मा अरुण कुमार राकेश मिश्रा अमित कुमार चंद्रावती देवी आदि ने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।

करौना चौराहे पर धूमधाम से मनाई गई भगवान परशुराम जयंती

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़। तहसील क्षेत्र के करौना चौराहे पर भगवान परशुराम जयंती बड़े ही भव्य और श्रद्धापूर्ण माहौल में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम के चित्र पर पंडित विनय पांडेय द्वारा चंदन तिलक, माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद भगवान परशुराम की स्तुति मंत्र का पाठ किया गया, जिसके उपरांत उपस्थित प्रबुद्धजनों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में आए अतिथियों एवं समाज के गणमान्य लोगों को अंगवस्त्र और भगवान परशुराम का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान परशुराम शस्त्र और शास्त्र दोनों के महान ज्ञाता थे। वे अद्वितीय पराक्रमी थे और उन्हें भगवान विष्णु का छठा अवतार माना जाता है। उन्होंने कहा कि अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर उनकी जयंती मनाना अत्यंत शुभ माना जाता है। इस अवसर पर ऋषिदेव ओझा, मुरलीधर मिश्रा, शशि कुमार शुक्ल, बाल गोविंद शुक्ल, गोपेश्वर चौबे, ब्रह्मदेव ओझा, नीलू शुक्ला, मनोज मिश्रा, ओम प्रकाश मिश्रा, राजेंद्र मिश्रा, राकेश दुबे, कमलेश दुबे, मृत्युंजय उपाध्याय, हरेंद्र पाठक, दूधनाथ मिश्र, जगदीश मिश्रा, इंद्रदेव शुक्ल, दुर्गेश ओझा, जितेंद्र पांडेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पोषण पखवाड़ा पर जागरूकता कार्यक्रम, उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं का सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले में 8वें पोषण पखवाड़ा (09 से 23 अप्रैल) के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पोषण और बाल विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं नौगढ़ परियोजना की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद

रहीं। कार्यक्रम में जिला समन्वयक (रॉकेट लर्निंग) शिव शंकर और अमृता त्रिपाठी ने प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (ईसीसीई) और पोषण से जुड़े प्रयासों पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान मातृ एवं शिशु पोषण, जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क विकास, 0दृ3 वर्ष के बच्चों के लिए प्रारंभिक उत्तेजना, 3दृ6 वर्ष के बच्चों के लिए खेल आधारित शिक्षा, स्क्रीन टाइम कम करने में अभिभावकों की भूमिका और आंगनबाड़ी केंद्रों को मजबूत बनाने में समुदाय की भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष जोर दिया गया। रॉकेट लर्निंग के प्री–प्राइमरी शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे अन्य कार्यकर्ताओं को भी प्रेरणा मिले। अंत में सभी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया कि वे अपने क्षेत्रों में पोषण पखवाड़ा के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से लागू करें और अधिक से अधिक परिवारों तक पोषण संबंधी जानकारी पहुंचाएं।

रोड एक्सीडेंट में कारगर साबित हो रही 108 की सरकारी एंबुलेंस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ नगर जिले के हरिया गांव थाना डिडई बाजार के रहने वाले नबी उल्लाह उम्र 46 वर्ष जो अपने किसी निजी कार्य से जा रहे थे, इनको किसी अनजान बाइक से ठोकर मार दिया जिससे उनके सर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटे आई, मरीज ने खुद ही 108 पर इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद एम्बुलेंस संख्या यूपी32बीजी9704 पर

कार्यरत कर्मचारी ईमटी राम आशीष एवं पायलट रामप्रसाद ने बिना देर किए गाड़ी को लेकर घटनास्थल पर पहुंचे गए और जल्द से जल्द मरीज को शिफ्ट करके प्राथमिक उपचार करते हुवे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तिलौली में शिफ्ट किया। रास्ते में मरीज की कंडीशन खराब देखते हुए कंट्रोल में बैठे ईआरसीपी डॉक्टर सौरभ के द्वारा बताए गए एडवाइज को फॉलो किया ईएमटी के द्वारा दवाइयां का उपयोग करके मरीज को सुरक्षित तिलौली अस्पताल में भर्ती कराया गया अब उनकी हालत में काफी सुधार है। ईएमटी के अथक प्रयास से आज एक बुजुर्ग की जान फिर से बचाई गई।

बाल कल्याण समिति कार्यालय का डीएम ने किया औचक निरीक्षण, लापरवाही पर जताई नाराजगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित बाल कल्याण समिति, खजुरिया रोड स्थित कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई अनियमितताएं सामने आईं, जिस पर डीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उपस्थिति पंजिका के अवलोकन में पाया गया कि राधा श्रीवास्तव (सदस्य) पिछले 5 दिनों से, प्रकाशनी श्रीवास्तव (सदस्य) 1 दिन से तथा सुनील कुमार (कंप्यूटर ऑपरेटर) अनुपस्थित थे। वहीं निरीक्षण के समय अपर्णा श्रीवास्तव (अध्यक्ष), विरेंद्र मिश्र (सदस्य) और इलमा सिद्दिकी (पैरा लीगल वॉलंटियर) उपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने वर्तमान माह में समिति के समक्ष आए प्रकरणों से संबंधित अभिलेख प्रस्तुत करने को कहा, लेकिन अध्यक्ष द्वारा आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई जा सकी। इस पर डीएम ने कार्य में लापरवाही मानते हुए नाराजगी जताई और आवश्यक कार्रवाई के लिए निदेशक, महिला कल्याण उत्तर प्रदेश, लखनऊ को पत्र भेजने के निर्देश दिए। साथ ही जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देशित किया गया कि अनुपस्थित कर्मियों का एक दिन का मानदेय रोका जाए और उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाए।

वन स्टॉप सेंटर का डीएम ने किया औचक निरीक्षण, स्टाफ कमी और लापरवाही पर सख्त निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने माधव प्रसाद त्रिपाठी चिकित्सा महाविद्यालय परिसर स्थित वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए कई अहम निर्देश दिए गए। निरीक्षण के समय सेंटर पर 5 पीड़िताएं आवासित मिलीं, जिनमें से 4 अवयस्क थीं। स्टाफ नर्स द्वारा

जानकारी दी गई कि कुल 9 पीड़िताएं सेंटर में पंजीकृत हैं, जिनमें से 4 मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल गई हुई हैं। निरीक्षण के दौरान प्रभारी सेंटर मैनेजर अनुपस्थित पाए गए तथा उनके टेबल पर नाम पट्टिका और मोबाइल नंबर भी अंकित नहीं था। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए संबंधित का एक दिन का मानदेय बाधित करने और स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि वन स्टॉप सेंटर में स्वीकृत 11 पदों के सापेक्ष वर्तमान में केवल 6 पद ही भरे हैं। इस पर जिलाधिकारी ने तत्काल रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि सेंटर की कार्यप्रणाली सुचारु रूप से संचालित हो सके।

मिलावटी खाद्य पदार्थों पर सख्ती : 18 प्रतिष्ठानों की जांच, दुकानदारों को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

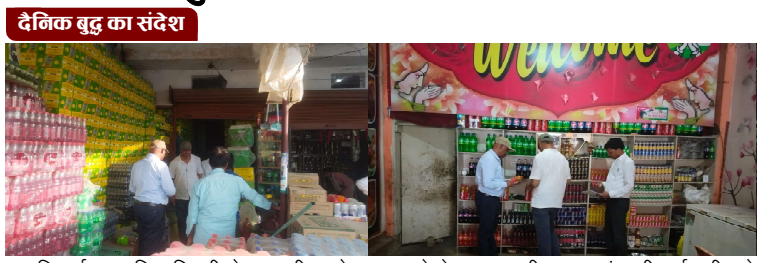

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी के निर्देश पर गर्मी के मौसम को देखते हुए मिलावटी खाद्य एवं पेय

पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए खाद्य विभाग ने सघन अभियान चलाया। सहायक आयुक्त (खाद्य)–प्प के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने तहसील शोहरतगढ़ के ढेबरुआ, सिसवा और तुलसियापुर बाजार में कार्रवाई की। अभियान के दौरान श्याम स्वीट्स, चौहान बिरयानी, यादव फैमिली रेस्टोरेंट, श्याम किराना स्टोर, शिव कोल्ड ड्रिंक, यादव स्वीट्स, चौहान स्वीट हाउस समेत कुल 18 खाद्य प्रतिष्ठानों की गहन जांच की गई। टीम ने खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के नियमों का पालन करने, स्वच्छता बनाए रखने और विशेष रूप से गर्मी के मौसम में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री से बचने के लिए जागरूक किया। साथ ही प्रतिष्ठानों में आवश्यक सुधार करने के निर्देश भी दिए गए। इस अभियान में सहायक आयुक्त (खाद्य) आर.एल. यादव, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र प्रताप सिंह और खाद्य सुरक्षा अधिकारी हीरा लाल शामिल रहे।

मेडिकल कॉलेज के एसएनसीयू व इमरजेंसी वार्ड का डीएम ने किया निरीक्षण, लापरवाही पर जताई नाराजगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में बने एसएनसीयू (नवजात शिशु देखभाल इकाई) वार्ड का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। डीएम ने थाना इटवा क्षेत्र में मिली नवजात बच्ची, जिसे बाल कल्याण पुलिस अधिकारी द्वारा एसएनसीयू में भर्ती कराया गया है, के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्ची के पूर्ण स्वस्थ होने तक उसे डिस्चार्ज न किया जाए। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने इमरजेंसी वार्ड का भी निरीक्षण किया। ड्यूटी चार्ट पर डॉक्टरों के मोबाइल नंबर अंकित न होने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताते हुए तत्काल मोबाइल नंबर दर्ज कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान इमरजेंसी में तैनात डॉ. अयाज खान अनुपस्थित पाए गए, जिस पर जिलाधिकारी ने स्पष्टीकरण मांगने के साथ ही एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी चिकित्सकों और कर्मचारियों को समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहकर मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ए.के. झा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

कारोबार नहीं जनकल्याण हो प्राथमिकता

इसके साथ ही बीमा पश्चलिसियों को लेकर पारदर्शिता की भारी कमी पायी जाती है। बीमा पश्चलिसी के प्रावधानों और लाभ को लेकर सरलीकृत भाषा की हमेशा कमी महसूस की जाती है। इन मुद्दों को लेकर विभिन्न परिवारों और मित्रों में बीमा कवरेज को लेकर उत्साहजनक चर्चाएं समय की मांग है...

जीवन में असुरक्षा, स्वास्थ्य व अपनों के भविष्य की तमाम चिंताओं से मुक्ति के लिये कोई व्यक्ति बीमा का सुरक्षा कवच लेने को बाध्य होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह विश्वास होता है कि ऊंच–नीच के वक्त में यह बीमा मददगार साबित होगा। लेकिन विडंबना यह है कि जिस बीमा क्षेत्र का आधार विश्वास होना चाहिए, उसको लेकर पॉलिसी धारकों में लगातार अविश्वास बना रहता है। बीमा कराने वाले एजेंटों और कंपनियों की ढकी–छिपी शर्तें उपभोक्ताओं के मन में अकसर संशय के बीज बोती हैं। जब बीमाधारकों को पॉलिसी का लाभ लेने का वक्त आता है तो उन्हें तमाम जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। हाल में आयोजित किए गए सर्वेक्षण ने इस वास्तविकता पर मोहर ही लगायी है। सर्वेक्षण बीमा क्षेत्र की तमाम विसंगतियों को उजागर ही नहीं करता बल्कि एक कठोर वास्तविकता की ओर भी इशारा करता है। सर्वेक्षण का निष्कर्ष है कि बीमा क्षेत्र में व्याप्त तमाम विसंगतियों को दूर करने के लिये लगातार निगरानी करने वाले एक सख्त नियामक तंत्र की आवश्यकता है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष कई गंभीर खामियों की ओर इशारा करते हैं। इसके निष्कर्षों के अनुसार भारत के लगभग 65 फीसदी बीमा पॉलिसी धारकों को नहीं पता होता है कि उन्हें पॉलिसी लेने से कौन–कौन से लाभ होते हैं। उन्हें नहीं मालूम कि पॉलिसी से बाहर निकलने की प्रक्रिया कैसी है। यह भी नहीं मालूम कि दावा प्रक्रिया की आवश्यक कार्यवाही को उन्हें कैसे अंजाम देना है। इतना ही नहीं लगभग 60 फीसदी आश्रितों को यह भी नहीं पता कि वे किसी पॉलिसी के अंतर्गत कवर हैं। वे इस बात से अनजान हैं कि उन्हें किस चीज व किस स्थिति में बीमा लाभ मिलेगा। कमोबेश यह स्थिति तब है जब देश में बीमा उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। निस्संदेह, यह समझ की कमी केवल उस शब्दावली से ही नहीं उपजी है जिसे समझना मुश्किल है, बल्कि बीमा करते समय उपभोक्ता को उसकी प्रक्रिया और लाभों का सिर्फ एक पक्ष ही बताया जाता है। कई वास्तविकताएं शब्दजाल में छिपा ली जाती हैं। निश्चित रूप से बीमा का मूल उद्देश्य तब विफल हो जाता है, जब बीमाकर्ता उपभोक्ताओं को सही ज्ञान और लाभ लेने की वास्तविक प्रक्रिया की जानकारी देने के मूल कर्तव्य में विफल हो जाता है। दरअसल, विभिन्न क्षेत्रों में वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री भी एक प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है। जो कि पहले ही चरण में वित्तीय सुरक्षा के अंतिम लक्ष्य को कमजोर कर देती है। आम धारण बन गई है कि बीमा उद्योग इससे जुड़ी कंपनियों के आर्थिक हितों और जन के हितों के टकराव के रूप में स्थापित है। इसमें जनहित की प्राथमिकता नहीं होती बल्कि कंपनी का मुनाफा कमाने को तरजीह दी जाती है। अपना टारगेट पूरा करने के लिये उपभोक्ताओं को जबरन पॉलिसी चिपकाने वाले एजेंटों से लेकर ऐसे फील्ड अफसरों की लंबी सूची है, जिनकी प्राथमिकता बीमा कंपनी को लाभ पहुंचाने की ही होती है। विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगी की कीमत पर बीमाकर्ता व अस्पतालों के अपवित्र गठबंधन ने इसकी विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठाये हैं। दरअसल, विनियामक नियंत्रण अपर्याप्त पाए गए हैं। इसके अलावा जवाबदेही का घोर अभाव पाया गया है। इसके साथ ही बीमा पॉलिसियों को लेकर पारदर्शिता की भारी कमी पायी जाती है। बीमा पॉलिसी के प्रावधानों और लाभ को लेकर सरलीकृत भाषा की हमेशा कमी महसूस की जाती है। इन मुद्दों को लेकर विभिन्न परिवारों और मित्रों में बीमा कवरेज को लेकर उत्साहजनक चर्चाएं समय की मांग है। वास्तव में जिस चीज को प्राथमिकता दी जाने की जरूरत है, वह है लेन–देन के दृष्टिकोण में बदलाव लाना। निस्संदेह, बीमा महज व्यापारिक लेन–देन मात्र नहीं है। बीमा उत्पादों से मानवीय पक्ष सशक्त रूप में जुड़ा होता है। हर हाल में उपभोक्ता कल्याण को ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बीमा धोखाधड़ी में जोखिम कारक को ध्यान में रखते हुए, जांच पर निर्भर रहना सामान्य बात है। यह किसी भी तरह से दावेदारों पर एक जटिल और परेशान करने वाली प्रणाली का बोझ डालने को उचित नहीं ठहरा सकता। दावों को अस्वीकार करने के बजाय उनका सम्मान करना उद्योग का मानक होना चाहिए।

साधना से सिद्धि का मार्ग अत्यंत दुरूह है

साधना से सिद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। सिद्धि प्राप्त करने के लिए तपस्विता अनिवार्य शर्त है। माई की .पा प्राप्त करने के लिए जप, तप और उनकी भक्ति अनिवार्य है। सभी 10 महाविद्याओं में माता काली जी को प्रथम रूप माना जाता है। माता दुर्गा ने राक्षसों का वध करने के लिए माता ने यह रूप धारण किया था। सिद्धि प्राप्त करने के लिए माता के इस रूप की पूजा की जाती है। काली कुल की दस महाविद्याओं में, काली, तारा, और भुवनेश्वरी शामिल हैं। ये देवियाँ उग्र स्वभाव की मानी जाती हैं, लेकिन उनका यह उग्र रूप केवल दुष्टों के लिए ही है। काली कुल की महाविद्याएँरू माता काली : समय और परिवर्तन की देवी, जो समय से परे हैं। माता तारा रूज्ञान और बुद्धि की देवी, जो वाक् शक्ति और बुद्धि का प्रतिनिधित्व करती हैं। माता भुवनेश्वरी रू ब्रह्मांड की देवी, जो पूरे ब्रह्मांड को धारण करती हैं। ये तीन देवियाँ, काली, तारा और भुवनेश्वरी, काली कुल की प्रमुख देवियाँ हैं। ध्यातव्य है कि काली कुल और श्री कुल के रूप में महाविद्या के दो कुल हैं। दरअसल दस महाविद्याओं को दो कुलों में विभाजित किया गया है रू काली कुल और श्री कुल। काली कुल में काली, तारा और भुवनेश्वरी शामिल हैं, जबकि श्री कुल में बाकी सात देवियाँ शामिल हैं। दस महाविद्याओं की पूजा, शक्ति और तंत्र साधना में महत्वपूर्ण मानी जाती है। 10 महाविद्याएं मां दुर्गा के ही रूप है जिसे सिद्धि देने वाली मानी जाती है। मां दुर्गा के इन दस महाविद्याओं की साधना करने वाला व्यक्ति सभी भौतिक सुखों को प्राप्त कर बंधन से भी मुक्त हो जाता है। मां को प्रसन्न करने के लिए साधना अनिवार्य है।

लेखक विनय कांत मिश्र /दैनिक बुद्ध का संदेश

आम प्रकृति नहीं स्त्री का हिंसक प्रतिरोध

भारत की सामान्य स्त्री असुरक्षा से पीड़ित रहती है। अत्यधिक असुरक्षा भी कई बार उनसे हत्या जैसा अपराध करवा सकती है। पर अचानक स्त्रियों की हत्यारी छवि बनने लगी है, जो खतरनाक बात है। संभव है कि कुछ स्त्रियां किसी अपराध की साजिश में दिखाई पड़ें, पर यह कम से कम हमारे समाज की आम प्रवृत्ति नहीं है। हमारे समाज में सामाजिक विघटन को रोकने और परिवारों को बचाए और बनाए रखने में स्त्रियों की...

प्रमोद जोशी

मेघालय में हाल में हुए हनीमून हत्याकांड के बाद से अचानक ऐसी खबरों की भरमार मीडिया में हो गई है, जिनमें मानवीय और पारिवारिक रिश्तों को लेकर कुछ परंपरागत धारणाएं टूटती दिखाई पड़ रही हैं। खासतौर से अपराध में स्त्रियों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर तथाकथित 'घातक पत्नियों' के मीम्स और मजाक की बाढ़ आ गई है। सोनम रघुवंशी और राजा रघुवंशी मामला अभी विवेचना के दायरे में है, इसलिए उस पर टिप्पणी करना उचित नहीं, पर उसके आगे–पीछे की खबरें इस बात का संकेत तो कर ही रही हैं कि हमारे बीच कुछ टूट रहा है। आप पूछेंगे कि क्या टूट रहा है? एक नहीं अनेक चीजें टूट रही हैं। घर–परिवार टूट रहे हैं, रिश्ते टूट रहे हैं, विश्वास टूट रहा है, भावनाएं टूट रही हैं और वर्जनाओं–नैतिकता की सीमाएं टूट रही हैं।

इस दौरान जो मामले सामने आए हैं उनमें प्रेम, विश्वासघात और मानवीय रिश्तों के अंधेरे पक्ष को लेकर सवाल उठे हैं। इन सभी प्रसंगों से इस बात पर रोशनी पड़ती है कि मानवीय भावनाएं, खास तौर पर प्रेम और वासना, कितनी जटिल और विनाशकारी हो सकती हैं। किस हद तक व्यक्ति जुनून और विश्वासघात से प्रेरित हो सकता है। यह उस अंधेरे को भी सामने लाता है जो प्रेमपूर्ण रिश्तों में मौजूद हो सकता है और कैसे प्रेम का विनाशकारी रूप सामने आ सकता है।

पहले इन सुर्खियों पर निगाह डालें। एक

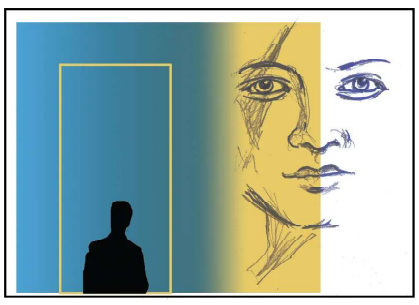

लिव–इन पार्टनर ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर खुद भी आत्महत्या कर ली। दूसरी खबर है, लिव–इन में रह रही युवती की हत्या, प्रेमी फरार। संपत्ति विवाद में पत्नी ने बेटे की मदद से पति को तकिए से मुंह दबाकर मार डाला। राजस्थान में प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने की पति की हत्या। पारिवारिक झगड़े में पति ने अपनी पत्नी को गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। एक घटना किसी दूसरी घटना का प्रेरणास्रोत बनती है। तेलंगाना में एक हत्या की जांच से पता लगा कि मेघालय के अंदाज में हत्या की योजना बनाई गई, जिसमें बाहर से लाए गए हत्यारों की भूमिका होती। बाद में इसे टाल दिया और दूसरा रास्ता अपनाया गया। इन सभी घटनाओं की पृष्ठभूमि एक जैसी नहीं है, पर सबमें पति, पत्नी, प्रेमी या प्रेमिका के प्रति विश्वासघात शामिल है। विश्वासघात के भी अलग–अलग कारण और ढंग हैं। इनमें किसी दूसरे प्रेमी या प्रेमिका, संपत्ति, ईर्ष्या या अचानक पैदा हुए आवेश की भूमिका है। हालांकि, हमारे पास इसे साबित करने वाला डेटा नहीं है, पर ऐसा लगता है कि स्त्रियों के व्यवहार में भी परिवर्तन आ रहा है। वे जीवन के अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं, तो आपराधिक प्रवृत्तियों में भी शामिल होने लगी हैं। स्त्रियों की परंपरागत छवि में जो बदलाव आ रहा है, उसमें शायद यह भी एक मोड़ है। बहरहाल, यह सामाजिक रिश्तों और मानसिक–प्रवृत्तियों के शोध का विषय है।

पारिवारिक हिंसा समाज–शास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, फोरेंसिक और चिकित्सा दृष्टिकोण से एक प्रमुख सार्वजनिक चिंता का विषय है। हत्या के अपराध, इसकी व्यापकता और इसे अंजाम देने के तरीकों का अवलोकन कुछ निष्कर्षों की ओर ले जाएगा, इसलिए इसकी निवारक रणनीतियों पर हमें विचार करना चाहिए। विवाह–हत्या सामान्य रूप से हत्याओं का एक प्रासंगिक हिस्सा है। यह अभी तक पश्चिमी समाज की समस्या मानी जाती थी, पर धीरे–धीरे यह हमारे जीवन में भी प्रवेश करेगी। निराशा, शराब का सेवन, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक–आर्थिक कठिनाइयां पारिवारिक दुर्व्यवहार के कुछ पूर्वानुमानित कारक हैं, जो पारिवारिक विघटन, हिंसक व्यवहार और अंततः विवाह–हत्या का कारण बनते हैं।

पिछले तीन दशकों में टीवी सीरियलों और ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर स्त्रियों की नकारात्मक छवि का असर भी हमारे जीवन पर है। कुछ धारावाहिकों में, महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर दिखाया जाता है। कुछ में उन्हें घरेलू हिंसा और उत्पीड़न का शिकार दिखाया जाता है। मजबूत, स्वतंत्र और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वाली महिला–पात्र, लड़कियों के आदर्श होने चाहिए। ऐसी महिलाएं हमारे बीच हैं भी, पर अय्याश, धोखेबाज, क्रूर, साजिशकार और विवाहेतर संबंधों में यकीन करने वाले स्त्री पात्रों को मनोरंजन माध्यमों ने भरपूर परोसा है। यह जमीनी–सच भले ही नहीं है, पर इसने सामाजिक–जीवन को प्रभावित जरूर किया है। ऊपर की घटनाओं में कुछ स्त्रियां अपराधी की भूमिका में नजर आती हैं, पर हमारे यहां स्त्रियां सबसे ज्यादा अपराधों की शिकार होती हैं। छत्तीसगढ़ से प्राप्त 23 जून की एक खबर है कि पिछले 115 दिनों में राज्य में 30 महिलाओं की उनके पतियों ने हत्या कर दी। यानी के हर चार दिन में एक हत्या। हाल में अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत की यात्रा पर आने वाले अपने नागरिकों के लिए लेवल–2 की यात्रा चेतावनी जारी की है। इसमें कहा गया है कि 'बलात्कार अभी भारत में सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक है। यहां सेक्सुअल असॉल्ट समेत हिंसक अपराध टूरिस्ट स्पॉट और दूसरे स्थानों पर होते हैं।'

सलबेगा के बगैर पूरी नहीं होती पुरी की रथ यात्रा

{ और भगवान का रथ थम गया, जब तक सलबेगा पहुंच नहीं गया। सलबेगा की रचनाओं में भगवान जगन्नाथ के स्तुति के साथ साथ कृष्ण कविता, चौपड़ी और भजन की विधा में हैं और उनमें और राम, ब्राह्मणजन और शक्ति व शिव की आराधना का भी आख्यान है । उनकी कम से कम 120 रचनाएं पुरानी ताड़ के पत्तों की पांडुलिपियों के साथ–साथ ओडिशा की सड़कों पर भिखारियों... }

पंकज चतुर्वेदी

श्री जगन्नाथ पुरी में मंदिर से रथ चला गुंडेचा मंदिर की तरफ लेकिन रास्ते में एक ही जगह वह रुकता है, वह है भक्त सलबेगा की मजार, जगन्नाथ का मुस्लिम अनन्य भक्त। ओडिसी नृत्य हो या शास्त्रीय गायन या दूरस्थ अंचल की कोई धार्मिक सभा, सलबेगा द्वारा रचित भजन के बगैर उसे अधूरा ही माना जाता है। भगवान जगन्नाथ के भक्त सलबेगा को ओडिया भक्ति संप्रदाय में विशिष्ट स्थान मिला हुआ है। कह सकते हैं कि वे अपने दौर के क्रांतिकारी रचनाकार थे जो इस्लाम को भी मानते थे और प्रभु जगन्नाथ को भी शीश नवाते थे। भक्त सलबेगा की एक प्रसिद्ध रचना आज भी सभी धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों में सस्वर गाई जानी लगभग अनिवार्य मानी जाती है।

सलबेगा के प्रारम्भिक जीवन के बारे में तथ्यों से अधिक किंवदंतियां चर्चित हैं। भक्त सलबेगा 17वीं शताब्दी की शुरुआत के एक ओडिया भाषा के धार्मिक कवि थे। उनका जन्म मुगल सेना के मुस्लिम योद्धा लालबेगा के यहां हुआ। उन दिनों मुगल हमेशा श्रीमंदिर को गिराने के लिए कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे। एक बार जब मुगल योद्धा लालबेग, पुरी के डंडा मुकुंदपुर इलाके के पास पुरी से लौट रहे थे, तो उन्होंने एक सुंदर युवा ब्राह्मण विधवा को स्नान घाट से लौटते हुए पाया। उसने महिला का अपहरण कर लिया और अंत में मजबूरी में उससे शादी कर ली, जो बाद में फातिमा बीवी के नाम से जानी जाने लगी। सलबेगा फातिमा बीवी और लालबेगा के पुत्र थे। बचपन से ही उन्होंने अपनी मां से भगवान जगन्नाथ, भगवान कृष्ण और भगवान राम के बारे में सुना। वह उनकी ओर आकर्षित हो गया। वह उनकी भक्ति करता, उन पर गीत लिखता।

फातिमा बीवी की मृत्यु के समय भक्त सलबेगा एक बच्चा था। एक बार वह एक गंभीर बीमारी से ग्रसित हो गया और सभी वैद्यदृहकीमों ने उम्मीद छोड़ दी कि भक्त सलबेगा जीवित नहीं रह सकता। एक दिन जब वह बिस्तर पर था तो उसने भजन सुना और सोचा कि महान भगवान जगन्नाथ जो कि दुनिया के भगवान हैं, मुझे ठीक करने में सक्षम होंगे। सलबेगा भगवान जगन्नाथजी की भक्ति में इतना खो गया था कि वो दिन–रात पूजा–अर्चना और भक्ति करने लगा। इसी भक्ति और पूजा–अर्चना के चलते सलबेगा को मानसिक शांति और जीवन जीने की शक्ति मिलने लगी। मुस्लिम होने के कारण सलबेगा को मंदिर में प्रवेश नहीं मिलता। वह मंदिर के बाहर ही बैठकर भगवान की भक्ति करने लगता।

ऐसा माना जाता है कि भगवान जगन्नाथ जी उसे सपने में आकर दर्शन दिया करते। भगवान उसे सपने में आकर घाव पर लगाने के लिए भभूत देते और सलबेगा सपने में ही उस भभूत को अपने माथे पर लगा लेता। उसके लिए हैरान करने वाली बात यह थी कि उसके माथे का घाव सचमुच में ठीक हो गया था। मुस्लिम होने के कारण सलबेगा कभी भी भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन नहीं कर पाया और उसकी मृत्यु हो गई। अपनी मृत्यु से पहले सलबेगा ने कहा था, 'यदि मेरी भक्ति में सच्चाई है तो मेरे प्रभु मेरी मजार पर जरूर आएंगे।'

मृत्यु के बाद सलबेगा की मजार जगन्नाथ मंदिर से गुंडिचा मंदिर के रास्ते में बनाई गई थी। इसके कुछ महीने बाद जब जगन्नाथजी की रथयात्रा निकली तो सलबेगा की मजार के पास आकर भगवान का रथ रुक गया और लाख कोशिशों के बाद भी रथ इंच भर भी आगे नहीं बढ़ा। तभी पुरोहितों और राजा ने सलबेगा की सारी सच्चाई जानी और भक्त सलबेगा के नाम के जयकारे लगाए। जयकारे लगाने के बाद रथ चलने लगा। बस तभी से हर साल मौसी के घर जाते समय जगन्नाथजी का रथ सलबेगा की मजार पर कुछ समय के लिए रोका जाता है। भक्त सलबेगा के बनाए भजन, आज भी लोगों को याद हैं। भक्त सलबेगा सारा जीवन मंदिर के बाहर बैठकर ही भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन की आस लगाए रहा। प्रभु का नाम जपता और उनके भजन लिखता। धीरे–धीरे उसके भजन अन्य भक्तों की जुबान पर भी चढ़ने लगे। यह है भारतीय अध्यात्म व भारतीय संस्कृति की ताकत, जिसके सामने धर्म, संप्रदाय की दीवारें भी कभी बाधक नहीं बन सकीं, न तो प्राचीन काल में, न ही आज भी। सलबेला द्वारा रचित गीतों के साथ कहानियां भी हैं, एक बार सलबेगा वृंदावन में थे और रथ यात्रा के दिन आ गए। उन्हें लगा कि बहुदा जात्रा के समय उनका पहुंचना मुश्किल है। उन्होंने गीत लिखाकृ जगबंधु है गौसाईं, तुमभा श्रीचरन बिणु, अन्य गति नाहीं। और भगवान का रथ थम गया, जब तक सलबेगा पहुंच नहीं गया। सलबेगा की रचनाओं में भगवान जगन्नाथ के स्तुति के साथ साथ कृष्ण कविता, चौपड़ी और भजन की विधा में हैं और उनमें और राम, ब्राह्मणजन और शक्ति व शिव की आराधना का भी आख्यान है । उनकी कम से कम 120 रचनाएं पुरानी ताड़ के पत्तों की पांडुलिपियों के साथ–साथ ओडिशा की सड़कों पर भिखारियों द्वारा गाए जाने वाले गीतों से भी मिली हैं। बांग्ला आलोचक सुकुमार सेन की पुस्तक 'हिस्ट्री ऑफ ब्रिज बोली लिट्रेचर' में सलबेगा को उड़िया के साथ–साथ हिन्दी और बंगला में गीत लिखने वाले के रूप में उल्लेखित किया गया है।

सुपर सेमी फाइनल मैच के बाद हुआ फाइनल मुकाबला

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। मारुतिनंदन स्पोर्टिंग क्लब मदैनिया द्वारा आयोजित रात्रि कालीन क्रिकेट टूर्नामेंट के नवे दिन रविवार को सुपर सेमी फाइनल मैच के बाद फाइनल मुकाबला हुआ। खेल का शुरुआत मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी विशाल सिंह उर्फ विपुल ने फीता काटकर खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर किया। पहला मैच एम,एन, स्पॉटिंग क्लब मदैनिया और हिनौता के बीच हुआ। हिनौता की टीम टास जीतकर बल्लेबाजी करते हुए आठ ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 56 रन बनाया।उनके जवाब में उतरी मदैनिया की टीम ने 6 ओवर में तीन विकेट खोकर 5 7 रन बनाकर मैच जीत लिया। मदैनिया की टीम विजई हुई। सतीश को मैन ऑफ द मैच दिया गया। दूसरा मैच खैरवा और भरकवाह के बीच खेला गया । भरकवाह बल्लेबाजी करते हुए 8ओवर में पांच विकेट पर 87रनों का लक्ष्य रखा। जवाब में उतरी खैरवा की टीम ने आठ ओवर में 69 रनो पर ही सिमट गई भरकवाह मैच जीत लिया। अमित कुमार पाण्डेय को मैंन आफ द मैच का पुरस्कार मिला। तीसरा मैच निबियाऔर खैरपुर के बीच खेला गया। खैरपुर टास जीतकर फीडिंग किया। निबिया बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 4 विकेट पर 112 रन बनाए। उनके जवाब में उतरी खैरपुर की टीम ने 8ओवर में पांच विकेट खोकर 70 रनो पर सिमट गई। निबिया मैच जीत लिया। चौथा मैच भरकवाह और निबिया के बीच खेला गया। निबिया टास जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 6विकेट के नुकसान 70 रन बनाया। जवाब में उतरी भरकवाह की टीम ने 7ओवर चार बाल पर 72 रन बनाकर मैच जीत लिया। मैन ऑफ द सीरीज अमित कुमार पाण्डेय दस ओवर में तीन विकेट पर 87रन बनाया। ज़बाब में उतरी भरकवाह की टीम ने आठ ओवर में चार विकेट पर 89 रन बनाकर मैच जीत लिया। मैन ऑफ द सीरीज अमित कुमार पाण्डेय रहे। भरकवाह की टीम फाइनल मुकाबला में बिजई हो गई।उप विजेता केरूप में मदैनिया को संतोष करना पड़ा। विजेता टीम को मुख्य अतिथि विशाल सिंह उर्फ विपुल ने 9 हजार रुपए एवं ट्रॉफी प्रदान किया उपविजेता टीम को 4500रुपए और ट्रॉफी दिया गया।अंपायर की भूमिका सूर्य प्रकाश तिवारी, दिलीप कुमार तिवारी ने निभाई ।कमेंटेटर अजीत कुमार सिंह रहे। आयोजकअवनीश कुमार उर्फ गिरीश नेअतिथियों का सम्मान करते हुए खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मानंद त्रिपाठी ने किया।

बहराइच में ट्रैफिक पुलिस का बड़ा एक्शन : 6 वाहन सीज, 351 का चालान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद में अवैध डग्गामार वाहनों और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। पुलिस उपमहानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र, गोण्डा के निर्देश पर चलाए गए सघन चेकिंग अभियान में नियम तोड़ने वालों पर जमकर शिकंजा कसा गया। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष विक्रम सिंह के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात राज सिंह के नेतृत्व में 18 अप्रैल 2026 को रुपईडीहा–नेपाल सीमा और नानपारा क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बस, कार और बाइक की गहन जांच की गई। ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन के आवश्यक दस्तावेजों की पड़ताल के साथ प्रेशर हॉर्न, अवैध स्टैंड और अन्य नियमों के उल्लंघन पर सख्ती बरती गई। झिंगहा घाट तिराहे पर ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों पर कार्रवाई की गई, वहीं मॉडिफाइड (पटाखा) साइलेंसर वाली बुलेट बाइक को सीज कर दिया गया। इसके अलावा कई चार पहिया वाहनों पर भी ब्लैक फिल्म के कारण कार्रवाई की गई। कार्रवाई के तहत कुल 6 वाहनों को सीज कर थाना रुपईडीहा भेजा गया, जबकि 351 वाहनों का चालान काटा गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ट्रैफिक नियमों के साथ खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आमजन से अपील की गई है कि वे नियमों का पालन करें और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करें।

बलरामपुर में विशेष टीडी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में स्कूली बच्चों को टिटनेस और डिप्थीरिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाने के उद्देश्य से विशेष टीडी (ज्क) टीकाकरण अभियान की शुरुआत आज से हो गई है। यह अभियान 30 अप्रैल 2026 तक जनपद के विभिन्न स्कूलों में संचालित किया जाएगा। जनपद बलरामपुर में इस अभियान का शुभारंभ जिला अधिकारी बिपिन कुमार जैन द्वारा आईएसजी कॉन्वेंट स्कूल में किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी, जिला क्षय रोग अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग एवं विद्यालय के अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे। अभियान के तहत 10 से 16 वर्ष आयु वर्ग के किशोर–किशोरियों को टीडी वैक्सीन लगाई जा रही है, जिससे उन्हें टिटनेस और डिप्थीरिया जैसी जानलेवा बीमारियों से सुरक्षा मिलेगी। यह अभियान विशेष रूप से स्कूलों के माध्यम से चलाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक बच्चों को लाभान्वित किया जा सके। जिला अधिकारी ने अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंधन से अपील की है कि वे इस अभियान में सहयोग करें और बच्चों को अनिवार्य रूप से टीकाकरण के लिए प्रेरित करें, जिससे जनपद को संक्रामक रोगों से सुरक्षित बनाया जा सके।

डीएम की अध्यक्षता में ''धरती माता बचाओ अभियान'' अंतर्गत जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक हुई आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में ''धरती माता बचाओ अभियान'' अंतर्गत जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में जिला कृषि अधिकारी डॉ0 सर्वेश कुमार यादव द्वारा अवगत कराया गया कि शासन द्वारा जारी शासनादेश के तहत आगामी 01 मई 2026 से उर्वरकों का वितरण में फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य किया गया है। वर्तमान समय में जनपद में उर्वरकों की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। बैठक में ज़िलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जोत/रकबा के आधार पर ही किसानों को उर्वरक वितरण किया जाए। गत वर्ष के सापेक्ष यूरिया, डीएपी एवं एनपीके के वितरण पर नजर रखी जाए। नियमितता मिलने पर तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए संबंधित विक्रेता के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अधिक उर्वरक खरीद करने वाले वालों पर भी नजर रखी जाए। कृषि गोष्ठी एवं मेलों के आयोजन के माध्यम से भी किसानों को संतुलित उर्वरकों को प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित एवं जागरूक किया जाए। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक डा0 राकेश कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी डा0 सर्वेश कुमार यादव, प्रभारी सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक मनोज कुमार, जिला प्रबंधक अखिलेश कुमार, डीपीआरओ मनोज कुमार, सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सहित विनिर्माता कंपनियों के प्रतिनिधि एवं सम्बंधित अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

आज निकलेगी कलश यात्रा, तैयारियां पूरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

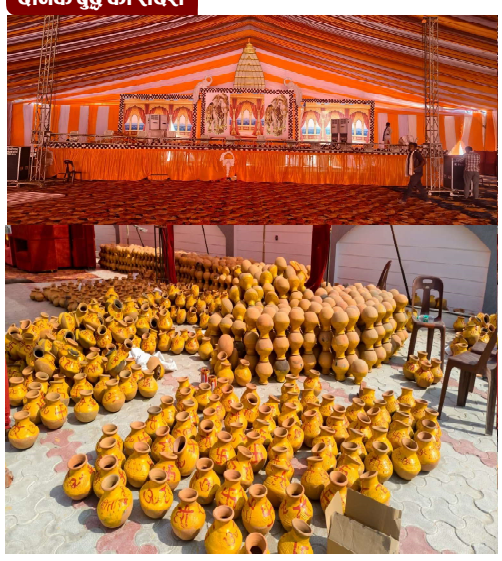

बलरामपुर। विकासखंड गैसड़ी के ग्राम पंचायत पकड़ी में चल रहे धार्मिक अनुष्ठान के तहत मंगलवार को कलश यात्रा निकाली जाएगी। आयोजन समिति ने यात्रा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। समिति के अध्यक्ष धनीराम प्रजापति ने बताया कि कलश यात्रा उनके नवनिर्मित भवन मधपुर पकड़ी से सुबह नौ बजे से शुरू होगी जो परसोहन घाट तक जाएगी। यात्रा में सैकड़ों महिलाएं सिर पर कलश लेकर शामिल होंगी। मुख्य मार्गों से होते हुए यात्रा यज्ञ स्थल पर संपन्न होगी।

बहराइच में बदहाली का विस्फोट : वार्ड 13 बना `गंदगी का गढ़', प्रशासन पर उठे सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के मोहल्ला क़ानूनगोपुरा उत्तरी, वार्ड नंबर 13 में गंदगी और जलभराव की समस्या अब विकराल रूप ले चुकी है। हालात इतने खराब हैं कि नाली का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे पूरे इलाके में दुर्गंध और अस्वच्छता का साम्राज्य फैल गया है। स्थानीय लोगों का गुस्सा अब खुलकर सामने आ रहा है। मोहल्ला वासियों का आरोप है कि शिकायत किए एक हफ्ते से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन जिम्मेदार वार्ड मेंबर और नगर पालिका प्रशासन अब तक गहरी नींद में सोए हुए हैं। नालियों की सफाई तो दूर, कोई मौके पर झांकने तक नहीं आया। सबसे चिंता की बात यह है कि इस लापरवाही का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। गंदगी और जलभराव के चलते बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों की सेहत पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। अब बड़ा सवाल यही है– क्या खबरें चलने के बाद भी नगर पालिका प्रशासन की नींद टूटेगी, या फिर वार्ड 13 के लोग यूं ही गंदगी और बदहाली के बीच जीने को मजबूर रहेंगे? फिलहाल, आक्रोशित मोहल्ला वासी प्रशासन से तुरंत सफाई अभियान चलाने और स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं। अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो विरोध और तेज होने की चेतावनी भी दी जा रही है।

कार्यालयः नगर पंचायत- कपिलवस्तु, जनपद- सिद्धार्थनगर

(अति अल्पकालीन निविदा सूचना)

एतद्वारा सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर सीमान्तर्गत 15वाँ वित्त आयोग (बुनियादी अनुदान) की प्राप्त धनराशि से जनहित में निम्नलिखित निर्माण कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। ठेकेदारों / फर्मों से मुहरबन्द निविदा दिनांक 04.05.2026. को नगर पंचायत कपिलवस्तु कार्यालय पर निम्न शर्तों के अधीन समय 2.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिनांक को 05 लाख से अधिक की निविदा समय 04.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष जिलाधिकारी कार्यालय के एल०बी०सी पटल पर अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) / प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय द्वारा खोला जायेगा तथा उसी दिनांक को 05 लाख से कम की निविदा समय 03.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष कार्यालय नगर पंचायत कपिलवस्तु पर अधोहस्ताक्षरी / अध्यक्ष महोदया द्वारा खोला जायेगा। निविदा प्रपत्र निर्धारित मूल्य अदा करके दिनांक 02.05.2026 तक प्राप्त किया जा सकता है। उक्त कार्य व अन्य शर्तो सम्बन्धी जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। कार्य का विवरण निम्नवत है–

15वां वित्त आयोग की धनराशि से कराये जाने वाले निर्माण कार्य का विवरण

क्र0 सं0	कार्य का नाम	आगणन की धनराशि	कार्य की लागत धनराशि	18 प्रतिशत धनराशि 10 प्रतिशत	जमानत धनराशि 10 प्रतिशत	निविदा मूल्य	कार्य अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	नगर पंचायत कपिलवस्तु वार्ड नं0 13 कृष्णा नगर में कम्पोजिट विद्यालय सूर्यकुड़िया में बाउन्ड्रवाल निर्माण कार्य	869615.00	736962.00	132653.00	73636.00	900.00	छः माह

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत कपिलवस्तु
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पंचायत कपिलवस्तु
सिद्धार्थनगर

पत्रांक– 671(i)/न०पं0कपि0सि0नगर/2026–27/दिनांकः– 18/04/2026

यूपीआई फ्रॉड के शिकार इमरान खान को पुलिस ने दिलाए रू30,863 रूपये

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। थाना खेसरहा साइबर सेल टीम ने साइबर ठगी के शिकार एक व्यक्ति के खाते में रू30,863 की धनराशि वापस कराकर सराहनीय कार्य किया है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में चलाए जा रहे साइबर अपराध रोकथाम एवं रिकवरी अभियान के तहत की गई। जानकारी के अनुसार, थाना खेसरहा क्षेत्र के ग्राम बेलवा लगुनही निवासी इमरान खान के खाते से 6 अप्रैल 2026 को बिना जानकारी के न्च के माध्यम से घ्30,863 का फ्रॉड ट्रांजैक्शन कर लिया गया था। पीड़ित द्वारा एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में प्रभारी साइबर सेल उ0नि0 राघवेन्द्र प्रताप यादव एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड–बी अभितोष अवस्थी की टीम ने तत्परता दिखाते हुए प्रयास किया और पूरी धनराशि पीड़ित के खाते में वापस करा दी। इस सफलता में आरक्षी अभिषेक मौर्य एवं महिला आरक्षी रम्भा यादव की भी अहम भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने टीम के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि साइबर अपराध के मामलों में त्वरित कार्रवाई और जागरूकता दोनों जरूरी हैं, ताकि पीड़ितों को समय रहते राहत मिल सके।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम यास्मीन W/O नूरूद्दीन साकिन जुगडिहवां, पो0– धनौरा मुस्तहकम, वि0ख0– बढ़नी, तहसील– शोहरतगढ़, जनपद– सिद्धार्थनगर की निवसनी हूँ। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम आशमीन निशा W/O नूरूद्दीन है, जो की गलत है सही नाम यास्मीन W/O नूरूद्दीन है इसी नाम से मुझे जाना व पहचाना जाये।

यास्मीन W/O नूरूद्दीन
साकिन जुगडिहवां,
पो0– धनौरा मुस्तहकम,
वि0ख0– बढ़नी,
तहसील– शोहरतगढ़,
जनपद– सिद्धार्थनगर

श्रावस्ती को मिली नई कमान: अन्नपूर्णा गर्ग बनीं जिलाधिकारी, दुर्गा शक्ति नागपाल बनीं देवी पाटन मंडल की कमिश्नर

दैनिक बुद्ध का संदेश

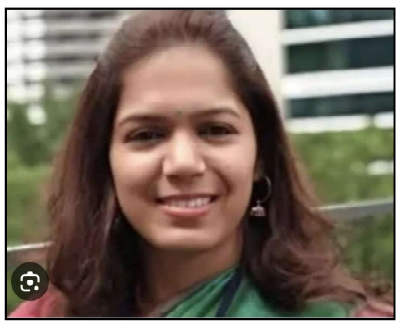

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा बड़े स्तर पर आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। इस व्यापक फेरबदल के तहत कई जिलों में नए जिलाधिकारी नियुक्त किए गए हैं, वहीं मंडल स्तर पर भी महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इसी क्रम में जनपद श्रावस्ती की कमान अब नई अधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग को सौंपी गई है। उन्हें श्रावस्ती का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। इससे पहले वह उत्तर प्रदेश शासन में विशेष सचिव, नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग के पद पर कार्यरत थीं। पूर्व डीएम का तबादला वर्तमान

जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय का स्थानांतरण कर उन्हें अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में निदेशक बनाया गया है। उन्होंने 28 अक्टूबर 2025 को श्रावस्ती के डीएम के रूप में कार्यभार संभाला था। अपने कार्यकाल में उन्होंने जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासनिक मजबूती और आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, लगभग छह माह के भीतर उनका तबादला प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है। नई डीएम से उम्मीदें नई जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग को एक दक्ष, निर्णयक्षम और संवेदनशील अधिकारी के रूप में जाना जाता है। श्रावस्ती जैसे सीमावर्ती जनपद की जिम्मेदारी उन्हें सौंपा जाना शासन के उनके प्रति विश्वास को दर्शाता है। माना जा रहा है कि उनके नेतृत्व में जिले के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। मंडल स्तर पर बड़ा बदलाव इसी प्रशासनिक फेरबदल में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल को देवी पाटन मंडल का नया मंडलायुक्त (कमिश्नर) नियुक्त किया गया है। उनके अनुभव और प्रभावी कार्यशैली को देखते हुए मंडल के विकास और प्रशासनिक कार्यों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। राज्य सरकार के इस बड़े प्रशासनिक फेरबदल को सुशासन और बेहतर प्रशासन की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। नई नियुक्तियों से जिले और मंडल स्तर पर विकास कार्यों को नई दिशा मिलने की संभावना है।

गोकशी कांड का वांछित अभियुक्त मुठभेड़ में घायल, पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिरसिया पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई, तमंचा व कारतूस बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। थाना सिरसिया क्षेत्र में गोकशी की घटना से जुड़े वांछित अभियुक्त को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान घायल कर गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के कब्जे से 315 बोर का तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम व क्षेत्राधिकारी भिनगा भरत पासवान के पर्यवेक्षण में थाना सिरसिया पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 20 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त को रामपुर बंधा के पास घेराबंदी कर पकड़ा। बताया गया कि संदिग्ध व्यक्ति नेपाल से लौट रहा था और किसी आपराधिक

घटना की फिराक में था। पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास करने पर उसने भागने की कोशिश की और खुद को घिरता देख पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली अभियुक्त के दाहिने पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान ननऊ पुत्र महताब, निवासी सम्भार पुरवा, थाना कोतवाली भिनगा के रूप में हुई है। घायल अभियुक्त को पुलिस अभिरक्षा में उपचार हेतु सीएचसी सिरसिया भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। 19 फरवरी 2026 को वादी राजू श्रीवास्तव ने सूचना दी थी कि रवि मिश्रा के खेत में गोवंश का सिर और खून मिला है। इस पर थाना सिरसिया में गोवध निवारण अधिनियम के तहत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान अभियुक्त ननऊ का नाम सामने आया। अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में भी मारपीट, गोवध अधिनियम व गिरोहबंद अधिनियम के तहत कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संचालित विद्यालयों के वाहनों की सुरक्षा एवं वैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में संचालित विद्यालयों के वाहनों की सुरक्षा एवं वैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एआरटीओ (प्रशासन) आर.सी. भारतीय द्वारा महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं ।उन्होंने अवगत कराया है कि जनपद में कुल 242 ऐसे विद्यालय चिन्हित किए गए हैं, जिनमें संचालित 313 स्कूल वाहनों से संबंधित आवश्यक विवरण अब तक UPISVMP-COM पोर्टल पर अद्यतन नहीं किया गया है ।एआरटीओ (प्रशासन) ने स्पष्ट किया कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा वाहन चालकों का पूर्ण विवरण, वैध ड्राइविंग लाइसेंस,फिटनेस, बीमा तथा अन्य आवश्यक अभिलेखों के साथ शपथ पत्र पोर्टल पर अपलोड किया जाना अनिवार्य है ।यह प्रक्रिया विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित

करने के लिए अत्यंत आवश्यक है ।इसके बावजूद संबंधित विद्यालयों द्वारा अपेक्षित कार्रवाई न किया जाना गंभीर लापरवाही की श्रेणी में आता है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी चिन्हित विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे दिनाँक: 19 /04/ 2026 को अपने विद्यालय खुले रखें। साथ ही, अपने समस्त स्कूल वाहनों एवं उनके चालकों का पूर्ण विवरण तथा शपथ पत्र तत्काल न्यैटडच ब्ब्ड पोर्टल पर अपलोड करें ।इसके अतिरिक्त सभी विद्यालय अपने वाहनों को निर्धारित तिथि पर एआरटीओ

242 ऐसे विद्यालय चिन्हित जिनमें 313 स्कूल वाहनों से संबंधित आवश्यक विवरण अब तक UPISVMP-COM पोर्टल पर नहीं किया गया अपडेट

कार्यालय, गोण्डा में प्रस्तुत कर उनका भौतिक निरीक्षण भी कराएं। निरीक्षण के दौरान वाहन की फिटनेस, सुरक्षा मानकों, परमिट एवं अन्य दस्तावेजों की जांच की जाएगी ।एआरटीओ (प्रशासन) ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समयसीमा के भीतर निर्देशों का अनुपालन न करने वाले विद्यालयों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी ।जनपद के सभी विद्यालयों से अपील की जाती है कि वे विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए निर्देशों का तत्काल पालन सुनिश्चित करें।

चाकू व लाठी–डंडों से वार पत्रकार घायल,आरोपी को किया गिरफ्तार, कार्यवाही प्रचलित

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के खोड़ारे थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक बुजुर्ग पर जानलेवा हमले की सनसनीखेज घटना सामने आई है ।अल्लीपुर नरहरपुर गांव निवासी राजेश चतुर्वेदी पत्रकार पर उस समय हमला किया गया,जब वह मसकनवा बाजार से अपना काम निपटाकर घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि दौलतपुर ग्रांट प्राथमिक पाठशाला के पास पहले से घात लगाए बैठे आरोपी अहमद और उसके साथियों ने राजेश की मोटरसाइकिल रोक ली ।इसके बाद उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ की गई और विरोध करने पर लाठी–डंडों व धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया गया ।हमले में राजेश चतुर्वेदी गंभीर रूप से घायल हो गए। उनको गंभीर चोट आई है, जबकि शरीर पर कई चोटों के निशान भी हैं ।पीड़ित ने आरोप लगाया है कि मारपीट के दौरान हमलावर उनकी सोने की अंगूठी भी छीन ले गए ।घायल को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां उनका इलाज जारी है ।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई ।थाना अध्यक्ष कृष्ण गोपाल राय ने बताया कि आरोपी अहमद के खिलाफ जानलेवा हमले सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है ।आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस ने घायल का मेडिकल परीक्षण भी कराया है और मामले की जांच जारी है ।इस वारदात के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है ।ज़िला अस्पताल पहुंचे पत्रकार श्री चतुर्वेदी से पत्रकार समाज कल्याण समिति गोन्डा के जिलाध्यक्ष व महामंत्री ने मिलकर आश्वासन दिया प्रकाश समाज कल्याण समिति आपके साथ खड़ा है।

संस्थान रत्न उपाधि से सम्मानित हुए प्राचार्य वासुदेव प्रजापति जी एवं सतीश त्रिपाठी जी

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। श्रावस्ती जनपद में शिक्षा क्षेत्र से जुड़ा एक गौरवपूर्ण क्षण उस समय देखने को मिला, जब डॉ. सर्वपल्ली

राधाकृष्णन एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल कॉलेज के निदेशक के के पाठक जी द्वारा बाबा विश्वनाथ इंटर कॉलेज दण्दौली गिलौला श्रावस्ती के प्राचार्य वासुदेव प्रजापति एवं सतीश त्रिपाठी को "डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन संस्थान रत्न" उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ, जिसमें शिक्षा जगत से जुड़े कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान निदेशक ने प्राचार्य वासुदेव प्रजापति जी के शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया तथा कॉलेज का नोडल अधिकारी भी नामित किया। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत प्राचार्य वासुदेव प्रजापति जी ने कहा कि वे अपने विद्यालय सहित पूरे क्षेत्र के विद्यार्थियों को नर्सिंग एवं पैरामेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पैरामेडिकल क्षेत्र युवाओं के लिए एक सशक्त करियर विकल्प के रूप में उभर रहा है, जिसमें रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने प्राचार्य वासुदेव प्रजापति जी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

हर रविवार भंडारा, 6 से 8 माह में बागेश्वर धाम कथा की तैयारी–सीओ सिटी ने किया शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बस्ती जनपद में सामाजिक सेवा और धार्मिक आस्था का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है। महंथ गोविंद दास उर्फ पेड़ा वाले बाबा द्वारा रविवार से निशुल्क अन्नपूर्णा रसोई का शुभारंभ किया गया। इस रसोई का उद्घाटन क्षेत्राधिकारी बस्ती सदर सत्येन्द्र भूषण तिवारी ने विधि–विधान से पूजन–अर्चन कर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा। पूजा–अर्चना के बाद रसोई का विधिवत शुभारंभ किया गया, जिसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप भोजन वितरित किया गया। इस पहल का उद्देश्य दूर–दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को निशुल्क भोजन उपलब्ध कराना है, ताकि कोई भी व्यक्ति भूखा न लौटे। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी सत्येन्द्र भूषण तिवारी ने कहा कि पेड़ा वाले बाबा द्वारा शुरू की गई यह अन्नपूर्णा रसोई समाज के

लिए एक प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने कहा कि अक्सर श्रद्धालु दूर–दूर से दर्शन के लिए आते हैं और कई बार उन्हें भोजन की व्यवस्था नहीं मिल पाती। ऐसे में यह रसोई उनके लिए बेहद उपयोगी साबित होगी। उन्होंने इसे पुण्य का कार्य बताते हुए कहा कि भूखों को भोजन कराना सबसे बड़ा धर्म है। महंथ गोविंद दास ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्य मां अन्नपूर्णा और बालाजी सरकार के आशीर्वाद से शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि भक्तों के सहयोग से हर रविवार को नियमित रूप से भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उनका उद्देश्य है कि जो भी श्रद्धालु यहां आए, उसे सम्मानपूर्वक भोजन मिले और वह संतुष्ट होकर लौटे। इसी क्रम में महंथ गोविंद दास उर्फ पेड़ा वाले बाबा ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि आगामी छह से आठ माह के भीतर बागेश्वर धाम की कथा का भव्य आयोजन कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की रूपरेखा तैयार की जा रही है और जल्द ही इसकी विस्तृत योजना सार्वजनिक की जाएगी। इस खबर से श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि यह रसोई केवल भोजन वितरण का माध्यम नहीं है, बल्कि यह सेवा, समर्पण और मानवता का प्रतीक है। आने वाले समय में इस व्यवस्था को और व्यापक बनाने की योजना भी है, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक इसका लाभ पहुंच सके। कार्यक्रम में उपस्थित मनमोहन त्रिपाठी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भूखों को भोजन कराना सबसे नेक कार्यों में से एक है। उन्होंने कहा कि पेड़ाधाम में शुरू हुई यह अन्नपूर्णा रसोई पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि समाज के अन्य लोग भी इस तरह के सेवा कार्यों में आगे आएंगे। उद्घाटन समारोह में आकाश आर्य, स्नेह पाण्डेय, प्रभू दयाल वर्मा, दीपक आर्या, राज आर्या, महेंद्र सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने इस आयोजन की सफलता की कामना की और इसे समाजहित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। गौरतलब है कि इस प्रकार की पहलें न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करती हैं, बल्कि समाज में आपसी सहयोग और मानवता की भावना को भी बढ़ावा देती हैं। पेड़ा वाले बाबा की यह अन्नपूर्णा रसोई निश्चित रूप से जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित होगी और प्रस्तावित बागेश्वर धाम कथा का आयोजन क्षेत्र में धार्मिक उत्साह को और बढ़ाएगा।

डीपीओ ने कहा बाल विवाह है कानूनी अपराध

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में जिला प्रोबेशन अधिकारी ने

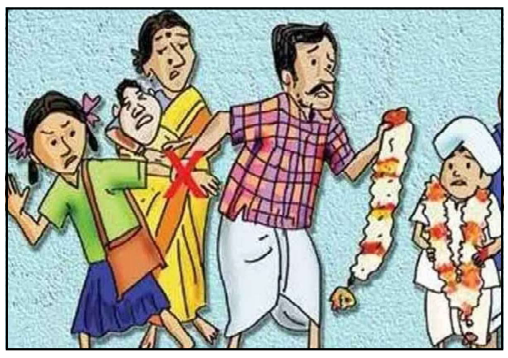

बताया कि बाल विवाह केवल एक परम्परा नहीं,बल्कि एक गंभीर सामाजिक अपराध है,जो बच्चों के बचपन,उनके सपनों और अधिकारों को छीन लेता है। कम उम्र में विवाह होने से बच्चों की शिक्षा अधूरी रह जाती है और उनका भविष्य प्रभावित होता है। ये बातें जिला प्रोबेशन अधिकारी संतोष कुमार सोनी ने कही ।उन्होंने बताया कि बाल विवाह कराने, उसमें सहयोग करने या उसे बढ़ावा देने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है, जिसमें जेल और जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसर पर बाल विवाह की संभावनाएं रहती हैं ।जिला प्रोबेशन अधिकारी संतोष सोनी ने आमजन से अपील की है कि यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तत्काल नजदीकी थाना, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या प्रशासन को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके ।श्री सोनी ने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत इस तरह के मामलों में सख्त दण्ड का प्रावधान है और प्रशासन बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कैसरगंज में प्रधानों का हुंकार : चुनाव टले तो बढ़े कार्यकाल, नहीं तो होगा बड़ा आंदोलन!

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। कैसरगंज ब्लॉक में सोमवार को पंचायत व्यवस्था को लेकर बड़ा सियासी तापमान देखने को मिला। पंचायत विकास मंच के बैनर तले जुटे प्रधानों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए विकास खंड अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित एक तेजतर्रार और चेतावनी भरा ज्ञापन सौंपा। प्रधानों ने साफ कहाकृअगर समय पर पंचायत चुनाव नहीं होते, तो मौजूदा प्रधानों को ही प्रशासक बनाया जाए, वरना यह लोकतंत्र के साथ सीधा खिलवाड़ होगा। साथ ही उन्होंने मनरेगा के तहत कराए गए कार्यों का लंबित भुगतान तुरंत कराने की मांग को लेकर जोरदार दबाव बनाया। कार्यक्रम में संयोजक सूरज शुक्ला, डॉ. श्याम चौधरी, प्रधान संघ अध्यक्ष भगवानदीन मिश्रा समेत दर्जनों प्रधानों ने एक स्वर में कहा कि मनरेगा 2005 के तहत करोड़ों रुपये का भुगतान अटका पड़ा है, जिससे हालात विस्फोटक हो चुके हैं। सप्लायर फर्मों का दबाव बढ़ता जा रहा है और प्रधान आर्थिक संकट की कगार पर पहुंच गए हैं। प्रधानों ने चेताया कि 26 मई 2026 को कार्यकाल खत्म होने से पहले भुगतान नहीं हुआ, तो हालात बेकाबू हो सकते हैं। उन्होंने यह भी उजागर किया कि पंचायतों का कार्यकाल 26 मई और 19 जुलाई 2026 को समाप्त हो रहा है, लेकिन मौजूदा हालात

में चुनाव कराना मुश्किल दिख रहा है। इसके पीछे उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण में देरी, पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन न होना और आरक्षण के लिए जरूरी 'ट्रिपल टेस्ट' प्रक्रिया अधूरी रहने जैसे गंभीर मुद्दे गिनाए। प्रधानों ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि बिना ट्रिपल टेस्ट के आरक्षण लागू नहीं हो सकता, लेकिन इस बहाने बाहरी प्रशासकों की नियुक्ति थोपना लोकतंत्र की हत्या होगी। उन्होंने मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां ऐसी स्थिति में निर्वाचित प्रतिनिधियों को ही जिम्मेदारी दी गई, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम रही। अंत में पंचायत विकास मंच ने दो टूक कहा– या तो चुनाव समय पर कराएं, या मौजूदा प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाएं, अन्यथा बड़ा जनांदोलन तय है। कैसरगंज ब्लॉक में इस मुद्दे पर प्रधानों की भारी भीड़ और आक्रोश साफ संकेत दे रहा है कि आने वाले दिनों में यह मामला प्रदेश की राजनीति में बड़ा मुद्दा बन सकता है।

प्रशिक्षुओं की विदाई में छलके जज़्बात, DIET इकौना में भावुक समारोह आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। श्रावस्ती स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) इकौना में वर्ष 2023 बैच के प्रशिक्षुओं का विदाई समारोह बड़े ही भावुक माहौल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ प्रवक्ता गिरीश प्रसाद मिश्रा ने की। समारोह के दौरान गिरीश प्रसाद मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय जीवन में बिछड़ना जिंदगी का हिस्सा है, पर यादें हमेशा दिल के पास रहती हैं। आज हम आपको विदा कर रहे हैं, लेकिन आपके साथ बिताए हसीन पल हमेशा यादों में बसे रहेंगे। ईश्वर से प्रार्थना है कि आपके जीवन का हर कदम सफलता से भरा हो।ष इस अवसर पर प्रवक्ता अमित बल्कि वे छात्रों के मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत और आदर्श होते हैं। उन्होंने कहा कि विदाई का क्षण केवल छात्रों के लिए ही नहीं, बल्कि प्रधानाध्यापक, स्कूल प्रबंधन समिति और समस्त शिक्षक वर्ग के लिए भी अत्यंत

पाठक, दिव्य प्रताप सिंह, सरोज यादव सहित अन्य शिक्षकगण एवं प्रशिक्षु उपस्थित रहे। समारोह के अंत में सभी प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

जनसुनवाई ध्रसम्भवऋ दिवस में प्राप्त सभी शिकायतों का हुआ निस्तारण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में 20 अप्रैल 2026 सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र एवं मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र, की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का

अयोजन किया गया। तत्क्रम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 2, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 2, नगर पंचायत ओबर में 5, नगर पंचायत रेनुकूट में 0, नगर पंचायत पिपरी में 2, नगर पंचायत दुद्धी में 3, नगर पंचायत डाला बजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 2, समस्त निकायों में कुल 20 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ–सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र, द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर सदस्यगण एवं नगर पालिका कर्मचारी आदि उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना स्वरोजगार हेतु 10 लाख तक के ऋण के लिए करे आवेदन'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गौतम त्रिपाठी ने अवगत कराया है कि उ० प्र० सरकार द्वारा मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना संचालित की जा रही है जिसमे अधिकतम 10.00 लाख तक का ऋण स्थानीय बैंको के माध्यम से दिये जाने का प्राविधान है। योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 हेतु खादी ग्रामोद्योग विभाग सोनभद्र को 10 इकाई का लक्ष्य प्राप्त है। इस योजना मे आरक्षित वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियो को प्रोजेक्ट लागत का 5 एवं सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियो को प्रोजेक्ट लागत का 10 धनराशि स्वयं वहन करना होगा। उक्त योजना के अन्तर्गत वितरित पूँजीगत ऋण पर सामान्य वर्ग के पुरुष उद्यमी द्वारा 4: ब्याज स्वयं वहन करना पडता है। शेष ब्याज विभाग द्वारा वहन किया जायेगा, तथा आरक्षित वर्ग के उद्यमियो को वितरित ऋण पूँजीगत पर सम्पूर्ण ब्याज विभाग द्वारा वहन किया जायेगा। योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार इच्छुक नवयुवक/नवयुवतियों विभिन्न प्रकार की उद्योगो की स्थापना के लिये मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के वेबसाइड ूनचाअपइण्हवअण्पद पर अपना ऋण आवेदन पत्र आनलाईन कर सकते है। आनलाईन करने के उपरान्त उसकी हार्ड कापी मिशन अस्पताल के पास पिपरी रोड जिला ग्रामोद्योग कार्यालय सोनभद्र को उपलब्ध कराना होगा। यदि आनलाईन मे कोई समस्या आती है तो जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सोनभद्र के सी० यू० जी० न० 9580503175/9451083252 पर सम्पर्क कर सकते है।

भीषण गर्मी और हीटवेव से सुरक्षा हेतु जनपद में जिलाधिकारी ने जारी किए सख्त निर्देश'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि जनपद में भीषण गर्मी एवं संभावित हीट वेव/लू से जनसामान्य, पशुधन तथा पर्यावरण की सुरक्षा के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। शिक्षा विभाग विद्यालयों के समय में आवश्यक परिवर्तन किय गया है तथा छात्रों हेतु पेयजल, बिजली, पंखे एवं छायादार स्थानों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मिड–डे मील की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने एवं विद्यालय भवनों में हीट रेजिस्टेंट उपाय अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निकाय एवं नगर पंचायतों को सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, बस स्टैंड एवं अस्पताल परिसरों में शीतल पेयजल, छाया एवं कूलिंग सेंटर की व्यवस्था करने, पाइप जलापूर्ति की निगरानी रखने तथा पार्कों में छायादार स्थान विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। पंचायती राज एवं ग्राम विकास विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में पानी के टैंकर, हैंडपंपों की मरम्मत, पंचायत भवनों में कूलिंग शेल्टर, तालाबों व जल स्रोतों की सफाई एवं संरक्षण तथा मनरेगा श्रमिकों के कार्य समय में परिवर्तन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पशुपालन विभाग को पशुओं के लिए पेयजल, टीकाकरण, दवाओं की उपलब्धता, पशुशालाओं में कूलिंग व्यवस्था एवं पशुपालकों को जागरूक करने हेतु विशेष अभियान चलाने को कहा गया है। वन विभाग को सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण, जंगलों में आग से बचाव एवं वन्यजीवों के लिए जल स्रोतों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन विभाग को 24 घंण्टे अलर्ट मोड में रखते हुए आवश्यक संसाधनों की

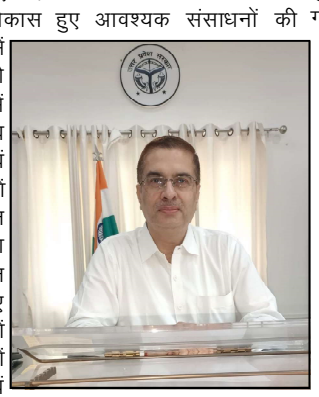

उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सभी उपकेंद्रों पर त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए हैं। विद्युत विभाग को शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने, खराब लाइनों की समय से मरम्मत तथा आपात स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारियाँ सभी सरकारी अस्पतालों, सीएचसी/पीएचसी में हीट वेव/लू वार्ड या अलग बेड की व्यवस्था करना। डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ की 24 घंण्टे ड्यूटी सुनिश्चित करना। ओआरएस, ग्लूकोज, दवाइयों और आईवी फ्लूइड की पर्याप्त उपलब्धता रखना। एम्बुलेंस सेवा को अलर्ट मोड में रखना। हीट स्ट्रोक के मरीजों का तत्काल उपचार और रेफरल व्यवस्था सुनिश्चित करना। लोगों को लू से बचाव के उपाय (क्या करें/क्या न करें) के बारे में जागरूक करना। अन्य विभागों के साथ समन्वय कर मजदूरों/मनरेगा श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कराना। परिवहन विभाग की जिम्मेदारियाँ बस स्टैंड व प्रमुख परिवहन स्थलों पर पेयजल और छाया की व्यवस्था करना। यात्रियों के लिए शेड/कूलिंग एरिया उपलब्ध कराना। वाहनों (बस आदि) की नियमित जांच और सुचारु संचालन सुनिश्चित करना, ताकि गर्मी में कोई बाधा न हो। लंबी दूरी के वाहनों में ओवरलोडिंग और खराब स्थिति से बचाव। आपात स्थिति में मरीजों के लिए तत्काल परिवहन/एम्बुलेंस सहयोग देना। ड्राइवर/कंडक्टर को हीट वेव से बचाव के निर्देश देना। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया है कि वे अपनी–अपनी "जंदकंतक च्वमतंजपदह च्तवबमकनतमे (व्) तैयार कर 28 अप्रैल 2026 को आयोजित बैठक में प्रस्तुत करें तथा हीट वेव से बचाव हेतु प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें।

विद्यालय का संचालन प्रातः 7:30 बजे से 12:00 बजे तक'-जिला विद्यालय निरीक्षक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जनपद के समस्त राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, वित्तीय विहीन माध्यमिक विद्यालय सी०बी०एस०ई०, आई०सी ०एस०ई० बोर्ड के विद्यालस तेज धूप एवं लू के कारण बच्चो के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव के दृष्टिगत जनपद के कक्षा 9 से 12 तक के समस्त कक्षाओं के शिक्षण कार्य प्रातः 07:30 बजे से 12:00 बजे तक किया जायेगा। उक्त आदेश का अनुपालन सभी विद्यालय कड़ाई के साथ सुनिश्चित करेगें।

पुलिस अधीक्षक द्वारा जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं को सुना, त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित 'जनसुनवाई/जनता दर्शन' कार्यक्रम में जनपद के

विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मिशन शक्ति के तहत बालिकाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा 'मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण' के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षकअभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों कृजैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्यकृपर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं व्च् साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

नारी बंदन सम्मान

सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ, उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी लखनऊ एवं गुप्त काशी विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में नगर स्थित साईं हॉस्पिटल एण्ड कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग के सभागार में विभा सिंह उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के मुख्यातिथ्य एवं वरिष्ठ साहित्यकार पंडित पारसनाथ मिश्र के अध्यक्षता में नारी वंदन सम्मान सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। सरस्वती वंदना,सांस्कृतिक कार्यक्रम, अतिथि स्वागत और नारी सशक्तिकरण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लोगों का सम्मान पश्चात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विभा सिंह ने कहा कि महिला सशक्तिकरण का अर्थ महिलाओं को निर्णय लेने, शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और समानता के अधिकार प्रदान करना है, जिससे वे सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। यह सिर्फ अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति के लिए आवश्यक है। सशक्त महिला न केवल परिवार को, बल्कि पूरे समाज को आत्मनिर्भर और विकसित बनाती है। कार्यक्रम संयोजक पंडित आलोक कुमार चतुर्वेदी अध्यक्ष गुप्त काशी विकास परिषद ने कहा कि सशक्त नारी का मतलब है, ऐसी महिला जो आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो और अपने अधिकारों के लिए लड़ सके। आज की महिलाएं प्रधानमंत्री, अंतरिक्ष यात्री, वैज्ञानिक और उद्यमी बनकर हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उन्हें केवल घर तक सीमित न रखकर, घर और बाहर दोनों की जिम्मेदारियों में बराबरी का हक मिलना चाहिए। डॉ अनुपमा सिंह डायरेक्टर साईं हॉस्पिटल एण्ड कॉलेज ऑफ नर्सिंग ने कहा कि आज भी समाज में कन्या भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा और लैंगिक असमानता जैसी कुरीतियां मौजूद हैं। महिला सशक्तिकरण का मतलब पुरुषों के खिलाफ होना नहीं, बल्कि समानता के साथ मिलकर समाज का निर्माण करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पंडित पारसनाथ मिश्रा ने कहा कि नारी तू अबला नहीं ,खुद को तू पहचान, उठ खड़ी हो और लड़ तभी मिलेगा सम्मान। प्राचीन काल से ही मानव समाज का रथ महिला और पुरुष रहे है! और पूरा समाज इन दो पहियों पर ही चलता है! अगर इस रथ के दोनों पहियों में से किसी भी पहिये में कोई समस्या आ गया तो ये रथ रुक जायेगा! इसलिए इस रथ को चलने के लिए इन दोनों पहियों को सही तरीके से चलना बहुत ही जरूरी है! हमारे प्राचीन काल में महिला और पुरुष दोनों को एक समान सम्मान दिया जाता था! और बैदिक युग में तो नारियो की पूजा की जाती थी! प्राचीन भारत में नारी का बहुत सम्मान किया जाता था कार्यक्रम में विवेक जी,राज सिंह आशुतोष मोदनवाल ,मृगांक दुबे ,अनूप तिवारी ,नार सिंह ,प्रदीप चौबे ,ओमप्रकाश दुबे विभा सिंह ,अनुपमा सिंह ,डॉ. पवन तिवारी, उ. प्र. संगीत नाटक अकादमी लखनऊ, वैभव विशाल, उ. प्र. लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ,उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन पंडित जगदीश पंथी राष्ट्रीय कवि ने किया। तथा श्वेता कुमारी (वाराणसी)एवं दल द्वारा लोकगायन,सोनी सेठ (वाराणसी)एवं दल द्वारा कत्थक नृत्य,रानी सिंह (मिर्जापुर) एवं दल द्वारा कजरी लोकगायन प्रस्तुत किया. संपूर्ण कार्यक्रम के संयोजक पंडित आलोक कुमार चतुर्वेदी अध्यक्ष गुप्त काशी विकास परिषद रहे।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम में आंशिक संशोधन, 10 जून को होगा अंतिम प्रकाशन'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पं0) बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि जनपद सोनभद्र की त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण हेतु पूर्व निर्गत संशोधित सार्वजनिक सूचना आंशिक संशोधन किया गया है मतदाताओं के डूब्लीकेंशन एवं कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही 21 अप्रैल 2026 से 28 मई 2026 तक, कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग मतदाता क्रमांकन आंवटन मतदाता सूची की डाउनलोडिंग फोटो प्रतियां कराने आदि, निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन 10 जून 2026 को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रमुख स्थानीय समाचार पत्रों में व्यापक प्रचार–प्रसार किया जायेगा तथा सार्वजनिक जानकारी हेतु समस्त सम्बन्धित कार्यालयों के सूचना–पट्ट पर भी यह कार्यक्रम प्रदर्शित किये जायेंगे। निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगे तथा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्यवाही पूर्ण करायी जाएगी। आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए निर्धारित समय सारणी के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के क्मकनचसपबंजपवद के कार्य सम्पन्न कराये जायेंगे। पूर्व निर्गत संशोधित सार्वजनिक को यथा संशोधित समझा जाए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

धुरंधर 2 की बॉक्स ऑफिस पर धूम जारी : वर्ल्ड वाइड कलेक्शन 1783 करोड़ रुपये

'धुरंधर 2' ने पांचवें सप्ताह में भी अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया है। शुक्रवार को 2.75 करोड़ रुपये, शनिवार को 4.75 करोड़ रुपये और रविवार को 5.25 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म के हिंदी वर्जन ने कुल 1077.75 करोड़ रुपये की कमाई की। खास बात यह है कि इस सप्ताह के आंकड़ों में फिल्म की कमाई में कोई बड़ी गिरावट नहीं आई, जो दर्शकों के बीच इसकी मजबूत पकड़ को दर्शाता है। भूत बंगला जैसी बड़ी फिल्म के बावजूद, 'धुरंधर 2' ने अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी है और बॉक्स ऑफिस पर लगातार सफलताएं हासिल कर रही है।

चलिए, अब एक नज़र डालते हैं 'धुरंधर 2' के हिंदी वर्जन के अब तक के बॉक्स ऑफिस आंकड़ों पर। फिल्म ने पहले सप्ताह में 649 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि दूसरे सप्ताह में यह आंकड़ा 251 करोड़ रुपये था। तीसरे सप्ताह में फिल्म ने 109 करोड़ रुपये की कमाई की और चौथे सप्ताह में 56 करोड़ रुपये का कारोबार किया। हालांकि, पांचवे वीकेंड में फिल्म का प्रदर्शन फिर से मजबूत दिखा, जहां उसने 12.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया।

फिल्म का प्रदर्शन पांचवें सप्ताह में पहले के मुकाबले कुछ धीमा पड़ा है, लेकिन फिल्म अब भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए हुए है। इसे देखते हुए यह कहना मुश्किल है कि फिल्म कब तक और कितना और कमा पाएगी। फिलहाल, 'धुरंधर 2' का कुल नेट कलेक्शन 1077.75 करोड़ रुपये हो चुका है, जो एक जबरदस्त सफलता की कहानी बन चुका है।

फिल्म का 4 सप्ताह और पांचवें वीकेंड को मिलाकर वर्ल्ड वाइड ग्रॉस बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 1783 करोड़ रुपये हो चुका है। भारत में 1260 करोड़ रुपये और ओवरसीज़ में 423 करोड़ रुपये। आने वाले दिनों में फिल्म 1800 करोड़ का आंकड़ा आसानी से पार कर लेगी।

फिल्म 'धुरंधर 2' ने साबित कर दिया है कि दर्शकों के बीच अब भी उसकी धाक है, भले ही स्क्रीन की संख्या में कमी आई हो और नई फिल्में भी आ चुकी हों। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगातार सफलता की मिसाल बन चुकी है और इंडस्ट्री में इसका प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

फिल्म 'धुरंधर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन जारी रखा है, और अब तक के आंकड़े दर्शाते हैं कि फिल्म में दम है। हालांकि, पांचवे वीकेंड में कमाई में थोड़ी गिरावट आई है, लेकिन यह अब भी सफलता की ओर बढ़ रही है। इस फिल्म की यात्रा अभी खत्म नहीं हुई है और इसने दर्शकों के बीच अपनी मजबूत जगह बना ली है। यह आने वाले समय में और भी रिकॉर्ड तोड़ सकती है।

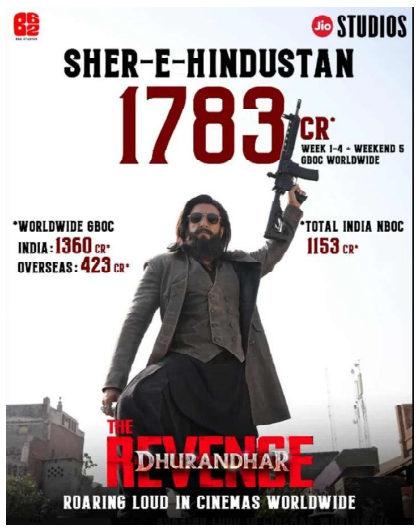

पतियों का यूनिवर्स यानी 'पतिवर्स' फिर लौटा, इस बार तिगुनी उलझन और धमाल के साथ : 'पति पत्नी और वो दो' का टीज़र रिलीज

पति पत्नी और वो दो' के मेकर्स टी–सीरीज़ और बी आर स्टूडियोज़ ने अपनी बहुप्रतीक्षित कॉमेडी ड्रामा का टीज़र जारी कर दिया है। टीज़र में हंसी, कन्फ्यूजन और भरपूर हंगामे की झलक साफ नजर आती है।

'पति–पत्नी–और–वो' की क्लासिक कहानी को एक नए अंदाज़ में पेश करते हुए, 'पति पत्नी और वो दो' का टीज़र दर्शकों को 'पतियों' की दुनिया यानी 'पतिवर्स' में फिर से ले जाता है। इस बार कहानी में नया ट्विस्ट जोड़ा गया है।

आयुष्मान खुराना, प्रजापति पांडे के किरदार में नजर आते हैं, जो अपनी ज़िंदगी में मची उथल–पुथल से जूझते दिखते हैं। हालात तब और बिगड़ जाते हैं जब वो एक नहीं, दो नहीं बल्कि तीन महिलाओं के बीच फंस जाते हैं, जिनके किरदार में सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह नजर आएंगी।

बढ़ती गलतफहमियों के बीच जब मामला पूरी तरह उलझ जाता है, तब विजय राज एक पुलिस अधिकारी के रूप में एंट्री लेते हैं और कहानी में और भी मज़ेदार मोड़ आ जाता है।

गुलशन कुमार, बी आर चोपड़ा और टी–सीरीज़ प्रस्तुत, टी–सीरीज़ फिल्म्स और बी आर स्टूडियोज़ के बैनर तले बनी 'पति पत्नी और वो दो' का निर्देशन मुदस्सर अज़ीज़ ने किया है।

फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, रेनू रवि चोपड़ा और कृष्ण कुमार ने किया है, जबकि क्रिएटिव प्रोड्यूसर जूनो चोपड़ा हैं। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शहर नहीं, सहर क्यों? सिद्धांत चतुर्वेदी ने बताई दो दीवाने सहर में टाइटल के पीछे की खूबसूरत वजह

हर कोई इस दुनिया में एक दूसरे से अलग होता है और वह खूबसूरत भी है। हम जब अलग है तो इस भिन्नता को स्वीकार करें। क्यों भेड़ चाल में जाना है? यह समझने में मुझे थोड़ा सा समय लगा, लेकिन अब बहुत अच्छे से समझ गया हूं। यह कहना है सिद्धांत चतुर्वेदी का जो कि श्दो दीवाने सहर मेंश फिल्म में शशांक की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

सिद्धांत इस फिल्म में एक ऐसे शख्स का किरदार निभाते दिखेंगे जो शायद श ना कहते हुए स कहता है और कई बार अपने आसपास के लोगों से अपने आपको अलग पाता है। और अपने आप को कम आंकने में लग जाता है। अपनी बातों को आगे बढ़ाते हुए सिद्धांत ने पत्रकारों को बताया कि मैं बचपन से बहुत सारी चीजों में अपने आप को कम ही समझता था। बातें मालूम है लेकिन ढंग से लोगों के सामने ना रख पाना कोई लड़की पसंद है, लेकिन उससे बात करने की हिम्मत न जुटा पाना किसी बात की मालूमात है, लेकिन उसे क्लास में ना बता पाना कई बार अपने लुक की वजह से भी मैंने अपने आप को बहुत छोटा महसूस किया है।

आंखें छोटी थी तो क्लास में कोई नेपाली कह देते थे। बाल घुंघराले थे तो मैगी कहते थे। अंग्रेजी ढंग से आती नहीं थी और हिंदी भी सीख ही रहा था। यह कई सारी ऐसी बात है जिसकी वजह से मैं अपने आप को समेट कर रह जाता था और खुलकर लोगों के सामने बात नहीं कर पाता था लेकिन अब बात बिल्कुल अलग है। अब मुझे ऐसा लगता है कि लोगों में मैं यह विश्वास जगा सकता हूं कि जब मैं कुछ जीवन में अचीव कर सकता हूं तो कोई भी कर सकता है। हर व्यक्ति में एक विशेषता होती है और वही सुंदरता है।

बदलापुर की रिलीज को 11 साल पूरे, जब नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बिना स्क्रिप्ट के गढ़े डायलॉग

भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन नियो–नोयर थ्रिलर फिल्मों में से एक, श्बदलापुरश अपनी रिलीज के 11 साल पूरे कर चुकी है। साल 2015 में आज ही के दिन निर्देशक श्रीराम राघवन ने दर्शकों को एक ऐसी कहानी दी थी, जिसने श्बदलेश की परिभाषा को हमेशा के लिए बदल दिया।

इस मौके पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी की उस बेमिसाल अदाकारी की चर्चा फिर से तेज हो गई है, जिसने वरुण धवन जैसे चमकते सितारे के सामने भी अपनी एक अलग और अमिट छाप छोड़ी थी। फिल्म की सबसे बड़ी खूबी इसका कच्चापन था। नवाजुद्दीन सिद्दीकी को उनके किरदार श्लायकश के लिए कोई फिक्स डायलॉग शीट नहीं दी गई थी।

निर्देशक श्रीराम राघवन ने नवाज को सीन समझा दिया था और उन्हें अपने शब्दों में बोलने की पूरी आजादी दी थी। यही वजह थी कि जेल के सीन्स हों या फिल्म का क्लाइमैक्स, नवाज के संवाद इतने स्वाभाविक लगे कि दर्शकों को लगा ही नहीं कि वे कोई फिल्म देख रहे हैं।

एक अपराधी जो चालाक भी है और कहीं न कहीं टूटा हुआ भी, उसे नवाज ने अपनी बॉडी लैंग्वेज और खुद के गढ़े हुए शब्दों से जीवंत कर दिया। 11 साल बाद भी यह फिल्म इसलिए याद की जाती है क्योंकि इसमें कोई पूरी तरह सही या पूरी तरह गलत नहीं था। जहां वरुण धवन ने एक मासूम पति से एक खूंखार बदला लेने वाले शख्स का सफर तय किया, वहीं नवाजुद्दीन ने एक ऐसे अपराधी को पर्दे पर उतारा जिससे नफरत करना मुश्किल हो गया था।

अपने करियर के इस मुकाम पर भी नवाजुद्दीन रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। मार्च 2026 में उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म श्आई एम नॉट ऐन एक्टरश का वर्ल्ड प्रीमियर कैलिफोर्निया के सिनेक्वेस्ट फिल्म फेस्टिवल में होने जा रहा है।

वामिका गब्बी : टैलेंट बेमिसाल पर एक ब्लॉकबस्टर का इंतजार, क्या भूत बंगला से बॉलीवुड की टॉप रेस में शामिल होंगी?

भारतीय मनोरंजन जगत में कुछ सितारे ऐसे होते हैं जो अपनी पहली स्क्रीन अपीयरेंस से ही बता देते हैं कि वे यहाँ सिर्फ चमकने नहीं, बल्कि राज करने आए हैं। वामिका गब्बी उन्हीं में से एक हैं। अपनी बोलती आँखों, चेहरे की मासूमियत और किरदारों में पूरी तरह ढल जाने की अद्भुत क्षमता के कारण उन्होंने फिल्म समीक्षकों और दर्शकों के बीच एक खास जगह बना ली है। लेकिन मायानगरी मुंबई का एक कड़वा सच यह भी है कि यहाँ श्टैलेंटश का सिक्का तब तक पूरी तरह नहीं जमता, जब तक उसके पीछे श्बॉक्स ऑफिसश के करोड़ों रुपये की खनक न हो।

वामिका गब्बी का जन्म 29 सितंबर 1993 को पंजाब के चंडीगढ़ में हुआ था। वह एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखती हैं जहाँ कला की कद्र थी। उनके पिता गोवर्धन गब्बी एक जाने–माने पंजाबी लेखक हैं, जिन्होंने वामिका के भीतर के कलाकार को हमेशा पंख दिए। वामिका की अभिनय यात्रा बहुत छोटी उम्र में शुरू हो गई थी। उन्होंने महज 8 साल की उम्र में पंजाबी टेलीविजन से

करियर की शुरुआत की। उनकी असल पहचान तब बनी जब उन्होंने 2007 में फिल्म श्जब वी मेटश में एक छोटा सा रोल निभाया, लेकिन मंजिल अभी दूर थी। वामिका ने पंजाबी, तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में अपनी मेहनत से लोहा मनवाया, लेकिन उन्हें ग्लोबल पहचान दिलाई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने।

वामिका गब्बी की अभिनय शैली की सबसे बड़ी खासियत उनकी श्सब्टिलिटीश (सूक्ष्मता) है। वह बिना चिल्लाए, सिर्फ अपनी नजरों से भावनाओं का तूफान खड़ा कर सकती हैं। विक्रमादित्य मोटवानी की सीरीज श्जुबलीश में श्नीलोफरश के किरदार को भला कौन भूल सकता है? 1950 के दशक की एक महत्वाकांक्षी अभिनेत्री के संघर्ष और उसकी गरिमा को वामिका ने जिस तरह पर्दे पर उतारा, वह किसी मास्टरक्लास से कम नहीं था।

इसी तरह विशाल भारद्वाज की श्खुफियाश और श्मॉडर्न लव मुंबईश में उन्होंने साबित किया कि वह जटिल और गहरे किरदारों को निभाने में माहिर हैं। श्माईश (डंप) में उन्होंने अपनी भावनाओं से दर्शकों को रुलाया, तो वहीं श्ग्रहणश (ळतींद) में उनकी सादगी ने दिल जीत लिया। उनके पास वह श्विंटेज चार्मश है जो आज की पीढ़ी में कम ही नजर आता है।

इतने शानदार काम के बावजूद, बॉलीवुड के गलियारों में चर्चा रहती है कि वामिका को अभी वह स्थान नहीं मिला है जिसकी वह हकदार हैं। उन्हें अक्सर श्ओटीटी स्टारश के दायरे में सीमित कर दिया जाता है। फिल्म इंडस्ट्री में श्सफलश होने का पैमाना अक्सर एक ऐसी फिल्म होती है जो 100–200 करोड़ रुपये का बिजनेस करे और मास ऑडियंस के बीच अभिनेत्री को एक श्हाउसहोल्ड नेमश बना दे। वामिका के पास प्रशंसा की कमी नहीं है, लेकिन एक बड़ी सोलो कमर्शियल हिट फिल्म की कमी उनके करियर ग्राफ में खटकती है।

अब सबकी निगाहें प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही फिल्म श्भूत बंगलाश पर टिकी हैं। यह वामिका के करियर के लिए सबसे बड़ा मोड़ साबित हो सकती है। इसकी दो बड़ी वजहें हैंरू पहली बार वह अक्षय कुमार जैसे बॉलीवुड के श्खिलाड़ीश और बॉक्स ऑफिस किंग के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। दूसरा, प्रियदर्शन की हॉरर–कॉमेडी फिल्मों का अपना एक विशाल दर्शक वर्ग है।

अक्षय कुमार के साथ काम करना किसी भी अभिनेत्री के लिए ए–लिस्टर्स की श्रेणी में आने का प्रवेश द्वार माना जाता है। अगर श्भूत बंगलाश बॉक्स ऑफिस पर सफल होती है, तो यह धारणा टूट जाएगी कि वामिका सिर्फ गंभीर और क्लास सिनेमा तक सीमित हैं। यह फिल्म उन्हें वह श्मास अपीलश दिला सकती है जिसकी तलाश में वह लंबे समय से हैं।

फिल्म इंडस्ट्री हमेशा श्सक्सेसश के पीछे भागती है। यदि श्भूत बंगलाश हिट होती है, तो निश्चित रूप से वामिका को आने वाले समय में खान तिकड़ी या रणबीर कपूर और रणवीर सिंह जैसे बड़े सितारों के अपोजिट कास्ट किए जाने की संभावना बढ़ जाएगी। उनमें वह ग्रेस और टैलेंट है कि वह किसी भी बड़े कमर्शियल सेटअप में अपनी जगह बना सकें।

वामिका गब्बी आज उस मोड़ पर खड़ी हैं जहाँ उनकी काबिलियत पर किसी को शक नहीं है, बस एक श्ब्लॉकबस्टरश धमाके की जरूरत है। अगर श्भूत बंगलाश के जरिए वह दर्शकों को डराने और हंसाने में कामयाब रहीं, तो बॉलीवुड को एक ऐसी स्टार मिलेगी जो अभिनय भी जानती है और भीड़ खींचना भी।